केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 304 मंगलवार 28 मई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

चौधरी चरण सिंह की पुण्य तिथि पर कार्यक्रम 29 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के 37 वें पुण्य तिथि पर आगामी 29 मई को उन्हें याद किया जायेगा। यह जानकारी देते हुये राष्ट्रीय लोकदल के मण्डल अध्यक्ष सुरेन्द्र चौधरी ने बताया कि बुधवार को दिन में 10 बजे चौधरी चरण सिंह फील्ड हास्टल में स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्र्यापण के बाद न्याय मार्ग स्थित पार्टी कार्यालय पर संगोष्ठी में उनके योगदान पर विचार विमर्श किया जायेगा।

रालोद के मण्डल अध्यक्ष सुरेन्द्र चौधरी ने बताया संगोष्ठी में पार्टी के प्रदेश महासचिव अरूणेन्द्र पटेल के साथ ही राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य ओम प्रकाश चौधरी के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता, विचारक हिस्सा लेंगे।

डीएम ने किया ईवीएम वेयरहाउस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने जिला निर्वाचन कार्यालय, सदर तहसील में ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होने साफ– सफाई और बेहतर करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी कमलेश चन्द्र, सहायक निर्वाचन अधिकारी सुभाष कुमार सिंह उपस्थित रहें।

किशोरी की बरामदगी को लेकर थाने का घेराव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज थानाक्षेत्र से एक माह पहले गायब हुई किशोरी के बरामद नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने थाने का घेराव किया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर रखा है। ग्रामीणों ने लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए परिवार के साथ थाने पर पहुंचे और प्रदर्शन करने लगे। प्रभारी निरीक्षक कप्तानगंज दीपक दुबे ने जल्द से जल्द बरामद करने का आश्वासन दिया।

कप्तानगंज थाने के एक गांव से किशोरी गायब हो गई। आरोप है कि उसको एक युवक बहला फुसलाकर कर भाग ले गया। इस मामले में किशोरी के पिता ने एक महीने पहले कप्तानगंज पुलिस को शिकायती पत्र सौंप कर आरोपी युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस मामले में जांच पड़ताल में जुट गई थी। सूत्रों की माने तो पुलिस आरोपी युवक के परिजनों पर भी दबाव बनाने के लिए पकड़ कर लाई थी, लेकिन किशोरी और आरोपी का पता नहीं चल सका। चुनाव के चलते मुकदमे में प्रगति धीमी हो गई। पुलिस की माने तो मामले में सर्विलांस के जरिए बरामदगी का प्रयास जारी है। इसी बीच गायब किशोरी की बारामदगी को लेकर परेशान परिजन दो दर्जन ग्रामीणों के साथ रविवार को सुबह 10 बजे कप्तानगंज थाने पर पहुंचे। विवेचना और बरामदगी में लापरवाही बरतने का आरोप लगाने लगे। प्रभारी निरीक्षक कप्तानगंज दीपक दुबे ने बरामदगी के लिए एक हफ्ते का समय मांगा।

निजी नलकूपों पर 25 करोड़ से अधिक बिजली बकाया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। निजी नलकूपों पर बिजली बिल बकाए का 25 करोड़ से ज्यादा बकाया है। नलकूप संचालक बकाया जमा करने में रूचि नहीं दिखा रहे हैं। विभाग की ओर से बकाया जमा करने के लिए किस्त में जमा करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है, इसके बाद भी प्रगति नगण्य है। बकाया वसूली के लिए अधिकारियों को कारपोरेशन की ओर से निर्देशित किया गया है। अधीक्षण अभियंता राम बुझारत का कहना है कि नलकूप संचालकों पर जो बकाया है, उसे जमा कराना जरूरी है। पहली अप्रैल से लागू निशुल्क विद्युत आपूर्ति योजना का लाभ ज्यादा से ज्यादा किसानों को दिलाया जाना है।

कांग्रेस, सपा की सोच नकारात्मक– योगी

मऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी इंडिया गठबंधन पर निशाना साधते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि यह गठजोड़ देश में शरिया कानून लागू करके महिलाओं और बेटियों को घर में कैद करने की साजिश रच रहा है। आदित्यनाथ ने मऊ की घोसी लोकसभा क्षेत्र से भाजपा की सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रत्याशी अरविंद राजभर के पक्ष में आयोजित एक जनसभा में कहा कि इंडी (इंडिया) गठबंधन से सावधान रहने की जरूरत है, क्योंकि वह कहता है कि सत्ता में आएंगे तो विरासत टैक्स लगाएंगे। इनका यह टैक्स औरंगजेब के जजिया कर की तरह है।

उनके अनुसार इंडी वाले कहते हैं कि सत्ता में आने पर पर्सनल लॉ लागू करेंगे यानी वह देश में तालिबानी और शरिया कानून लागू करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि वह बेटियों और महिलाओं को घर में कैद करने की साजिश कर रहे हैं, लेकिन इन्हें यह नहीं

पता कि यह देश बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के संविधान से चलेगा। उन्होंने कहा 'हम देश में फिर से तीन तलाक की कुप्रथा शुरू नहीं होने देंगे।

आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की सोच नकारात्मक है और यह लोग प्रभु राम के साथ देश के भी विरोधी हैं। उन्होंने कहा 'यह लोग दलितों और पिछड़ों के हक पर डकैती डालते हैं। अब इनकी नजर ओबीसी (अन्य पिछड़े वर्गों) के आरक्षण पर है। वे कहते हैं कि ओबीसी आरक्षण में सेंध लगाकर उसे मुसलमानों को देंगे, लेकिन हम ऐसा होने नहीं देंगे। यह ओबीसी जाति के लोगों का अधिकार है और इस अधिकार को हम छीनने नहीं देंगे।

उन्होंने कहा कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर ने कहा था कि आरक्षण का आधार धर्म नहीं हो सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल धर्म के आधार पर एक बार फिर देश को विभाजित करना चाहते हैं।उन्होंने कहा श्लेकिन जनता इनके मंसूबों को समझ गई है। यही वजह है कि वह कहती है कि जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे।

सेक्स टेप कांडः प्रज्वल रेवन्ना 31 मई को पेश होंगे पुलिस के सामने

बेंगलूर (आभा)। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते और कर्नाटक की हासन सीट से जेडीएस के लोकसभा सांसद प्रज्वल रेवन्ना यौन उत्पीड़न मामले में 31 मई को स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम के सामने पेश

होंगे। उन्होंने दावा किया है कि वे डिप्रेशन में थे। रेवन्ना के खिलाफ कई महिलाओं ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है और कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर उनके कई सेक्स टेप्स वायरल हो गए थे, जिसके बाद कर्नाटक की राजनीति में भूचाल आ गया था। यह मामला सामने आने के बाद रेवन्ना विदेश भाग गए थे।

सांसद प्रज्वल रेवन्ना ने बताया, 'मुझे गलत मत समझिए, मैं 31 मई को सुबह 10 बजे एसआईटी के सामने होऊंगा और मैं सहयोग करूंगा। मुझे ज्यूडिशियरी पर पूरा विश्वास है। ये सभी मामले मेरे खिलाफ झूठे हैं। मैं कानून पर विश्वास करता हूं।'33 वर्षीय हासन सांसद प्रज्वल रेवन्ना जेडीएस संरक्षक और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते हैं। यौन उत्पीड़न के आरोप लगने के बाद रेवन्ना 26 अप्रैल को देश छोड़कर जर्मनी भाग गए थे। इस मामले में कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष जेडीएस और बीजेपी के खिलाफ हमलावर है।

प्रज्वल रेवन्ना ने उनके ऊपर लगे सभी आरोपों को राजनीतिक साजिश बताया और कहा कि वह डिप्रेशन में थे। उन्होंने अपना ठिकाना नहीं बताने के लिए जेडीएस नेता और पार्टी कार्यकर्ताओं से माफी भी मांगी। उन्होंने कहा, 'मैं विदेश में मेरे ठिकाने के बारे में उचित जानकारी नहीं देने के लिए अपने परिवार के सदस्यों, मेरे कुमारन्ना (एचडी कुमारस्वामी) और पार्टी कार्यकर्ताओं से माफी मांगना चाहता हूं। 26 अप्रैल को जब चुनाव खत्म हो गए मेरे खिलाफ कोई मामला नहीं था।

पेड़ में फंदे से लटकता मिला युवक का शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के कप्तानगंज थानांतर्गत दुबौला चौकी क्षेत्र के मदनपुरा गांव में एक युवक का शव उसके घर के सामने स्थित आम के पेड़ में लटकता मिलने से सनसनी फैल गई। बिजली के तार से फंदा लगाया गया था। सोमवार की सुबह ग्रामीणों की नजर शव पर पड़ी और मौके पर भीड़ जुट गई। सूचना पर पुलिस संग फारेंसिक टीम मौके पर पहुंची। साक्ष्य जुटाने के साथ परिजनों से पूछताछ की। पुलिस का कहना है कि प्रथमदृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है। घटना की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

पुलिस पूछताछ में पता चला कि मदनपुरा गांव निवासी सुनील मिश्रा (35) पुत्र रामयज्ञ मिश्रा की शादी 29 जून 2012 को सरिता पुत्री राम सूरत मिश्रा निवासी साड़ीहिच्छा थाना गौर के साथ हुई थी। दोनों की कोई संतान नहीं थी। सुनील नशे का आदी हो गया था। इसके चलते उसकी पत्नी सरिता अपने मायके रहने लगी थी। ग्रामीणों का कहना है कि सुनील हमेशा नशे में रहने लगा था और घर पर अकेले रहता था। सोमवार की सुबह उसका शव घर सामने पेड़ से लटकता मिला। सूचना पर उसके ससुरालीजन भी मौके पर पहुंचे गए। थाना प्रभारी दीपक कुमार दूबे ने बताया कि घटनाक्रम की छानबीन की जा रही है।

चुनावी रंजिश को लेकर मारपीट दोनों पक्षों के लोग घायल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज थानाक्षेत्र के करचोलिया गांव में चुनावी रंजिश को लेकर दो गुट आमने–सामने हो गए। मामला मारपीट तक जा पहुंचा। मारपीट में दोनों गुटों के लोगों को चोट आई है। सूचना पर डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल में जुटी। तनाव को देखते हुए गांव में पूरी रात पुलिस का पहरा रहा। प्रभारी निरीक्षक कप्तानगंज दीपक दुबे ने बताया दोनों तरफ से लोग घायल हुए हैं। अभी तक तहरीर नहीं पड़ी है। गांव में पुलिस का पिकेट लगा दिया गया है।

करचोलिया में शनिवार की रात करीब नौ बजे पुरानी रंजिश के अलावा चुनाव में एक दूसरे को समर्थन को लेकर दो गुट आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते लाठियां चटकने लगी, जिसमें दोनों गुटों के लोगों को चोटे आई हैं। पुलिस की माने तो एक पक्ष की तरफ से अजय कुमार और उसके भाई दिलीप कुमार, चंद्रावती देवी को चोट लगी है तो दूसरी तरफ से प्रधान संदीप सोनकर, मुकेश शर्मा, दीपक शर्मा, मनजीत शर्मा, संजय शर्मा, पिंटू सोनकर को चोट लगी है। गांव में तनाव को देखते हुए पूरी रात पुलिस का पिकेट लगा था। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। दोनों पक्षों से तहरीर मांगी गई है।

जीत-हार को लेकर अटकलें जारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती,। लोकसभा चुनाव के छठें चरण का मतदान समाप्त होने के बाद प्रत्याशियों के चुनाव कार्यालय पर सन्नाटा हैं, वहीं दूसरी ओर नेताओं, उनके समर्थकों के घरों और चाय की दुकानों पर अटकलों का दौर जारी है। बहस के दौरान समर्थक अपने नेता को रोज कई बार जिता रहे हैं। इसी कड़ी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव के आवास पर एक समीक्षा बैठक हुई।

बैठक में चुनाव के तौर तरीकों, मतदाताओं की रूझान, पार्टी द्वारा जारी न्याय पत्र तथा जीत हार के आंकलन पर विस्तार से चर्चा हुई। कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने कहा छठे चरण के चुनाव तक भाजपा 200 से नीचे आ चुकी है। 7 वां चरण पूरा होते होते 400 पार नारे की हवा निकल चुकी होगी। उन्होने कहा जनता भाजपा के कुशासन से आजिज आ चुकी थी। जनता ने इससे छुटकारा पाने के लिये इस बार इंडिया गठबंधन को वोट किया है। देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा भाजपा 240 से 250 तक सिमट जायेगी और देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। उन्होने कहा 10 सालों में भारत में राजनैतिक आदर्शों में भारी गिरावट आई है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा इसकी जिम्मेदार है। समीक्षा बैठक में अवधेश सिंह, शौकत अली नन्हू, गंगा प्रसाद मिश्रा, अशोक श्रीवास्तव, दीवान चन्द पटेल, राकेश पाण्डेय गांधियन, विजय श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

यूपी में अंतिम चरण के 13 सीटों के लिये जोर आजमाइशः जातियों के समीकरण में उलझा चुनाव

लखनऊ (आभा)। लोकसभा चुनाव अब अपने अंतिम पड़ाव पर है। इस चरण में यूपी की 13 लोकसभा सीटों पर वोटिंग होगी। इनमें से तीन घोसी, बलिया और गाजीपुर ऐसी सीटें हैं, जहां जीत के लिए भाजपा के सामने पूर्व के दो चुनावों के मुकाबले लंबी लकीर खींचने की चुनौती है। 2022 विधानसभा चुनाव में इन तीनों संसदीय क्षेत्रों की 15 विधानसभा सीटों में से सिर्फ दो सीटें ही भाजपा जीती थी। इससे पहले हुए 2019 के आमचुनाव में भी घोसी और गाजीपुर में भाजपा मात खा गई थी। यह बात दीगर है कि वर्ष 2022 में हुए चुनाव में ओम प्रकाश राजभर के सपा के पक्ष में चले जाने से भाजपा का जातीय समीकरण बिगड़ गया था। इस गलती को पार्टी ने इस लोकसभा चुनाव में सुधार कर ओम प्रकाश राज्जभर को फिर से साथ ले लिया है।

यूपी में सातवें व अंतिम चरण की सीटों में घोसी, महाराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर,

चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर व राबर्ट्सगंज शामिल हैं। 2019 के चुनाव में इनमें से घोसी और गाजीपुर को छोड़ सभी सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी। इस बार भी ये दोनों सीटें भाजपा के सामने चुनौती पेश करती नजर आ रही हैं, इन दोनों के अलावा बलिया भी ऐसी सीट है, जहां जीत बरकरार रखने के लिए भाजपा को तमाम समीकरणों को साधना पड़ रहा है।

घोसी, गाजीपुर और बलिया लोकसभा क्षेत्र में भाजपा के सामने आ रही चुनौतियों को 2022 के विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। विधानसभा चुनाव में इन तीनों संसदीय क्षेत्रों की 15 विधानसभा सीटों में सिर्फ दो में ही भाजपा जीती थी। शेष सीटें विपक्षी दलों सपा गठबंधन और बसपा के खाते में गई थीं। गाजीपुर में एक भी विधानसभा सीट पर भाजपा को जीत नहीं मिली थी। घोसी लोकसभा क्षेत्र में शामिल पांच विधानसभा सीटों में से सिर्फ एक मधुबन में भाजपा को जीत मिली थी।

इसी तरह सलेमपुर संसदीय क्षेत्र में भी 2022 में विपक्ष का प्रदर्शन ठीक–ठाक रहा। यहां की पांच में से दो सीटें विपक्ष के खाते में गई थीं। एक सीट पर सपा और एक पर सुभासपा को जीत मिली थी। भाजपा के नजरिए से राहत की बात यह है कि 2022 में सपा गठबंधन का हिस्सा सुभासपा अब एनडीए का हिस्सा है। जिससे उपरोक्त चारों सीटों में सुभासपा के एक–एक विधायकों का बल भाजपा के साथ जुड़ा है। वहीं इस चरण की सात सीटें ऐसी हैं, जहां पर 2022 में विपक्ष का खाता नहीं खुल सका था। ऐसी सीटों में गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव, वाराणसी, मिर्जापुर और राबर्ट्सगंज की सभी सीटें भाजपा और सहयोगी दल अद (एस) और निषाद पार्टी के खाते में गई थी। वहीं चंदौली और महाराजगंज की एक–एक विधानसभा में ही विपक्ष को सफलता मिली थी।

प्रचंड गर्मी, लू ने रोकी जिन्दगी की रफ्तार, बारिश का इंतजार

लखनऊ (आभा)। समूचा उत्तर प्रदेश गर्मी और लू की चपेट में है। नौतपा लगने के बाद पारा लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है। अधिकतम के साथ न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोत्तरी हुई है। सोमवार को दोपहर दो बजे ही आगरा और झांसी का तापमान 47 के पार हो गया। इसमें और बढ़ोत्तरी भी हो सकती है। इधर राजधानी लखनऊ और उसके आसपास के इलाकों में दोपहर 12 बजे से ही तापमान 43 पार कर गया। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को यूपी के कुछ जिलों में इस सीजन का सर्वाधिक तापमान रिकॉर्ड हो सकता है।

गर्मी से झुलसा देने वाले हालात पूरे उत्तर प्रदेश में हैं। सोमवार को राज्य के ज्यादातर हिस्सों में चढ़ा

हुआ पारा प्रचंड गर्मी का अहसास करा रहा था। झांसी 47.6 डिग्री सेल्सियस के साथ सर्वाधिक गर्म रहा। जबकि आगरा में पारा 46.8 और कानपुर में 46.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। लोग बारिश के इंतजार में है। मौसम विभाग के मुताबिक, पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क रहेगा। 25 से 35 किमी की रफ्तार से गर्म हवा चलने के आसार हैं। कहीं लू तो कहीं तीव्र लू का असर दिख सकता है। पश्चिमी यूपी ज्यादा प्रभावित रहेगा। इसके अलावा प्रदेश के कई हिस्सों में गर्म रात भी हो सकती है।

हमारा गठबंधन छोड़ने पर पछताएंगे नीतीश– खरगे

पटना (आभा)। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कंधे पर बड़ी जिम्मेदारी है। एक तरफ पार्टी का प्रदर्शन सुधारने तो दूसरी तरफ गठबंधन दलों से बेहतर तालमेल की जिम्मेदारी। छह चरणों के मतदान हो चुके हैं। अंतिम चरण में भी खड़गे पूरे दमखम से प्रचार अभियान में जुटे हैं। पिछले दो लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के प्रदर्शन बेहद निराश करने वाले रहे। खड़गे का दावा है कि विपक्षी गठबंधन की तरफ से देश की जनता चुनाव लड़ रही है, क्योंकि वह गरीबी, महंगाई जैसी समस्याओं से तंग आ

चुकी है।

कहा कि हम पर आरोप लगाने की जरूरत नहीं है। नीतीश कुमार खुद डरकर चले गए। उनको क्या हुआ था? हमने अपने घर में बुलाकर सभी दलों के साथ सबसे पहले बैठक की। शरद पवार, डी राजा, टीएमसी, तेजस्वी, उद्धव ठाकरे, एक –एक कर सभी नेताओं से बातचीत की। तब बात आई कि कहां बैठक हो, तो नीतीश कुमार ने पटना में बैठक करने का सुझाव दिया कि हमारी सरकार है। लेकिन उनको गठबंधन छोड़कर भाजपा में जाना था। वे किसलिए गए, ये उनको मालूम है। किस उसूल पर गए? वैसे वे हमेशा उसूल तोड़ते ही रहते हैं। ऐसे लोगों पर भरोसा नहीं कर सकते। उनको शायद डर है, लगता है कि उनके साथ रहे तो कुछ फायदा होगा। बिहार में राजद और कांग्रेस मजबूत है। नीतीश कुमार बाद में पछताएंगे कि क्यों गठबंधन छोड़ दिया।

अवैध बालू खनन न रूका तो सरयू में समा जायेगी हजारों बीघा कृषि योग्य जमीन

–विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने डीएम से किया बालू खनन रोकने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने जिलाधिकारी को पत्र देकर मांग किया है कि अवैध बालू खनन पर रोक लगाकर परमिट निरस्त किया जाय।

पत्र में सपा विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा है कि बस्ती सदर तहसील क्षेत्र के ग्राम माझा कला में 6 माह के लिये बालू खनन के लिये परमिट किया गया है। अवैधा स्थानों पर बालू का खनन कराये जाने से माझा कला, गंगापुर, मईपुर (तीनों पुरवा) का अस्तित्व खतरे में पड़ जायेगा। खनन अधिकारी द्वारा प्रशासन को गुमराह कर बालू खनन का परमिट दिया गया है। यदि तत्काल प्रभाव से अवैध बालू खनन

न रोका गया तो माझा कला, फूलपुर, रामनगर, अइलिया, भगवंतपुर, गंगापुर, मईपुर, महुआपार आदि राजस्व गांवों के कई हजार बीघा कृषि योग्य जमीन सरयू नदी मे समा जायेगी। पिछली बार बाढ में कट रहे गांव मईपुर को बचाने के लिये बाढ खण्ड द्वारा जो ठोकर लगवाया गया है उसका अस्तित्व भी खतरे में पड जायेगा।

विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने मांग किया है कि सिंचाई विभाग बाढ खण्ड से जांच कराकर खनन परमिट को निरस्त कर बालू खनन रोका जाय। यदि इसे न रोका गया तो गांवों की जमीन और जान माल की रक्षा के लिये वे धरना, प्रदर्शन, आन्दोलन को बाध्य होंगे।

चुनाव डियूटी के दौरान शिक्षक का निधन डीएम से अनुग्रह राशि दिलाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह के नेतृत्व में संघ पदाधिकारियों के एक प्रतिनिधि मण्डल ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी तथा मुख्यमंत्री को तीन ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग किया गया है कि चुनाव डियूटी के दौरान सहायक अध्यापक सुरेन्द्र कुमार उपाध्याय के निधन के बाद उनके परिजनों को अनुग्रह राशि एवं अन्य सुविधायें तत्काल प्रभाव से उपलब्ध करायी जाय।

संघ जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि सहायक अध्यापक सुरेन्द्र कुमार उपाध्याय सोनहा थाना क्षेत्र के खैरा टोला मधुनगर के निवासी थे। उनकी चुनाव डियूटी महादेवा विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 209 मधवापुर में लगाई गई थी। पोलिंग बूथ पर ही उनकी तबीयत खराब हो गई थी। दवा से कुछ आराम मिला। वे पोलिंग पाटी के साथ मण्डी समिति ईवीएम जमा कराने पहुंचे। यहां रात्रि लगभग 8 बजे उनकी हालत बिगड गई। उनको मण्डी समिति मे बने हेल्प डेस्क पर ले जाया गया जहां चिकित्सकों की सलाह पर उन्हें

–शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन, समर कैंप पर रोक लगे

ऐम्बुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया, हालत और बिगड़ने पर सहायक अध्यापक सुरेन्द्र कुमार उपाध्याय को लखनऊ रेफर किया गया जहां रास्ते में ही उनकी मृत्यु हो गई। संघ जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी अन्द्रा वामसी ने आश्वासन दिया कि प्राथमिकता के स्तर पर चुनाव आयोग के दिशा निर्देश के अनुरूप शीघ्र पीड़ित परिवार को अनुग्रह राशि उपलब्ध करा दिया जायेगा।

संघ पदाधिकारियों ने जिला निर्वाचन अधिकारी से मांग किया कि लोकसभा चुनाव में लगे शिक्षकों, शिक्षा मित्र, अनुदेशकों के प्रशिक्षण की धनराशि उनके खातों में भेजवा दिया जाय। इसी कम में डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में मांग किया गया है कि भीषण गर्मी को देखते हुये परिषदीय विद्यालयों में समर कैंप के आयोजन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगायी जाय।

डीएम से वार्ता और ज्ञापन सौंपने के दौरान मुख्य रूप से जिला मंत्री बाल कृष्ण ओझा, कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव, जिला उपाध्यक्ष प्रवीन श्रीवास्तव, सुधीर तिवारी, के साथ ही सत्य प्रकाश गुप्ता, अविनाश दूबे, अनिल पाठक, संजय यादव, सुरेश गौड़, उमाकान्त शुक्ल, राम पियारे, रूकुनुद्दीन, करमचन्द, मुरलीधर, अखिलेश पाण्डेय, आशीष दूबे, अमित सिंह, प्रसून श्रीवास्तव, सुनील, मो. अबुजर के साथ ही संघ के अनेक पदाधिकारी, शिक्षक शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 28 मई 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

अग्निकांडों में मौत और तंत्र

आसमान से बरसती आग के बीच हुए दो अग्निकांडों में मासूमों व बच्चों की मौत ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। तंत्र की काहिली और आपराधिक लापरवाही के चलते राजकोट के गेमजोन में हुए अग्निकांड में बच्चों समेत 27 लोगों की मौत हो गई। वहीं दूसरी ओर जिंदगी की उम्मीद को लेकर बेबी केयर होम में रखे सात बच्चे असमय काल–कवलित हो गए। हरियाणा के बहुचर्चित डबवाली अग्निकांड में भी आपराधिक लापरवाही से सौ से अधिक बच्चों के मरने का जो सिलसिला देखा गया था, वह अब भी खत्म नहीं हुआ है। विडंबना देखिए कि गुजरात के राजकोट स्थित जिस गेम जोन को चार साल से चलाया जा रहा था, उसके पास फायर विभाग की अनुमति नहीं थी। लापरवाही की इंतहा देखिये कि गर्मी के मौसम में तेज हवा के दौरान वहां बच्चों व अभिभावकों की उपस्थिति के बीच वेल्डिंग का काम किया जा रहा था। जिसे आग लगने की वजह बताया जा रहा है। परिस्थितियां इतनी भयावह थी कि मृतकों के शव पहचानने मुश्किल हो रहे हैं और शवों के डीएनए नमूने लेकर उनकी पहचान की कोशिश की जा रही है। भयावह हादसे के बाद सख्त कार्रवाई, जांच, दंड, संवेदना और मुआवजे की घोषणा की औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। लेकिन यह कभी नहीं कहा जाता कि जिन अधिकारियों व विभागों की जिम्मेदारी इन लापरवाहियों पर नजर रखने की थी, उनके खिलाफ कौन सा सख्त कदम उठाया जा रहा है।

गुजरात के राजकोट में एक एम्यूजमेंट पार्क के अंदर गेमिंग जोन में लगी आग की लपटें अभी ठीक से बुझी भी नहीं थीं कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बच्चों के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में आग लगने की खबर आ गई। दोनों ही घटनाओं में हताहत होने वालों में ज्यादातर छोटे बच्चे हैं। निश्चित रूप से ये हादसे हैं, लेकिन जिस तरह के हालात में ये घटनाएं हुईं वे बताती हैं कि मानवीय जिम्मेदारी वाले पहलू को अनदेखा नहीं किया जा सकता। यही वजह है कि दोनों ही मामलों में तत्काल जांच के आदेश दे दिए गए। मगर आम तौर पर ऐसे आदेश घटना से उपजे असुविधाजनक सवालों की ओर से लोगों का ध्यान हटाने भर का काम करते हैं। जांच पूरी होने तक मामला ठंडा हो चुका होता है और फिर इस बात की ओर किसी का ध्यान नहीं जाता कि रिपोर्ट का क्या निष्कर्ष रहा और उस पर किस तरह की कार्रवाई हुई।

इन दोनों मामलों में शुरुआती सूचनाएं ही संदेह का पुख्ता आधार प्रदान कर रही हैं। मसलन, यह बताया गया कि राजकोट के प्राइवेट एम्यूजमेंट पार्क में चल रहे गेमिंग जोन को फायर एनओसी नहीं मिला था। इसके बावजूद यह गेमिंग जोन धड़ल्ले से चल रहा था, बड़ी संख्या में बच्चे यहां महंगे टिकर लेकर आ रहे थे और अगर आग लगने की यह घटना न होती तो पता नहीं कब तक सब कुछ ऐसे ही चलता रहता। क्या स्थानीय प्रशासन को इस बात का अंदाजा नहीं होना चाहिए कि उसके कार्यक्षेत्र में किस तरह के व्यवसाय कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए चलाए जा रहे हैं?

बहरहाल, राजकोट में गेम जोन में हुए हादसे के बाद एक मैनेजर व अन्य व्यक्ति समेत दो लोगों की गिरफ्तारी हुई है। हर बार की तरह एसआईटी का गठन हुआ है। कोई आयोग भी बैठ सकता है। लेकिन सवाल वही है कि समय रहते फायर एनओसी क्यों नहीं लिया गया? प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी देर से पहुंची। राजकोट के सिविल अस्पताल के बाहर अपनों के शवों की तलाश में खड़े लोगों की आंखों के आंसू व आक्रोश व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहे हैं। बताते हैं कि गेम जोन से बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। बता दें कि मोरबी सस्पेंशन ब्रिज त्रासदी में मरने वालों में एक तिहाई बच्चे थे। सूरत में तक्षशिला कांप्लेक्स आग त्रासदी में 22 छात्रों की मौत हुई थी। लेकिन इन घटनाओं से भी कोई सबक प्रशासन ने नहीं सीखा। लगता है मासूमों व निर्दोष लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ की अनदेखी करना सिस्टम की आदत बन गई है। वडोदरा की हरणी झील में भी जीवन रक्षक जैकेट के बिना नाव में सवार 12 बच्चों व दो शिक्षकों की मौत इस साल जनवरी में हुई थी। वहीं दिल्ली स्थिति विवेक विहार के बेबी केयर सेंटर में सात नवजातों की मौत ने हर किसी को रुलाया। मां–बापों को अपने जिगर के टुकड़े खोने का समाचार सुबह टीवी व अखबारों से पता चला। एक बच्चे की देखभाल का प्रतिदिन पंद्रह हजार वसूलने वाले प्रबंधकों ने ही नवजातों को मौत की नींद सुला दिया। जिंदगियां छीनने वाले लोगों को शीघ्र सख्त सजा मिलनी चाहिए।

सांस्कृतिक चेतना और मशीनी मेधा का हो समन्वय

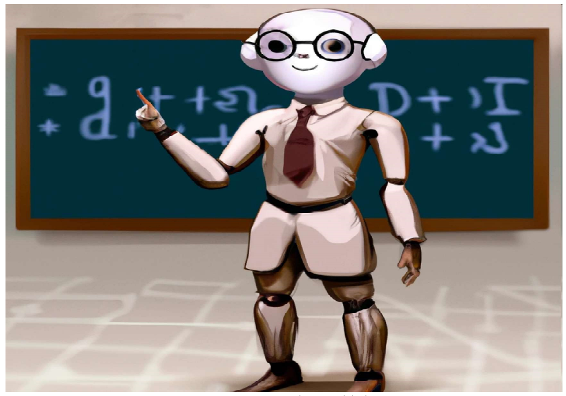

—सुरेश सेठ—

नया भारत तेजी से डिजिटल हो गया। इंटरनेट की ताकत का इस्तेमाल करने में भारत दुनिया में किसी देश से कम नहीं। साथ ही यहां भी रोबोटिक युग आ गया। लेकिन एक देश जिसकी आबादी दुनिया में सबसे अधिक हो, जिसमें आधी जनसंख्या युवा हो, और वह अपने लिए उचित नौकरी ही तलाश रही हो, उसके लिए रोबोट युग स्वीकार कितना समीचीन होगा? इसके साथ ही सेमीकंडक्टर और चिप युग भी है जिसके बारे में खबरें हैं कि पंगु दिमाग वाले भी चिप लगाकर शतरंज खेल सकते हैं।

चिप के अलावा चौटजीपीटी भी शुरू हो गया। चौटजीपीटी का एक चोर रास्ता डीपफेक भी शुरू हो गया जिसमें लोगों की रुचि हो गई क्योंकि इसके जरिये किसी के मुंह से कोई भी शब्द कहलवा लें। इसे ठगी के नये–नये तरीकों में सम्मिलन कर लिया। इधर कृत्रिम मेधा (एआई) में चौटजीपीटी में 4–ओ लांच हो गया है। एआई का यह नया मॉडल है जो बहुत तेज है। आवाज, फोटो और वीडियो इनपुट पर एकदम प्रतिक्रिया देता है। इंसानों जैसे इमोशन के साथ जवाब देता है। पुराने दोस्तों की तरह आपकी सारी बातें याद रखता है। एआई के नये मॉडल वाली 'चौटजीपीटी' से बात करो तो वह बहुत जीवंत और पूरी भाव–भंगिमा के साथ जवाब देता है। टोको, तो भी चालाकी से बात जारी रखता है। भावुकता और संवेदना गायब हो गये। निजी जिंदगी पर इसे हावी होने दे रहे हैं। रोजमर्रा की जरूरतों से लेकर बच्चों से जुड़ी बातों का भी फैसला जीपीटी से हो रहा है।

इस वर्ष दुनिया के बहुत से देशों में चुनाव होने जा रहे हैं। चौटजीपीटी के नये मॉडल से उत्तेजनापूर्ण भाषणों के डैमो आएंगे और नयी बात, भावुकता भरी बातें भी की जा सकेंगी। यह दीगर बात है कि ये बातें वास्तविकता के धरातल से नहीं उठेंगी। आम लोगों के दुख–दर्द की प्रतिक्रिया को समेटकर एकदम से जवाब नहीं देंगी, केवल यांत्रिक होंगी। ऐसी यांत्रिकता से जीवन की गति तेज तो हो जाती है लेकिन इसमें न गहराई आती है, न भावुकता के नये आयाम खुलते हैं। भारत में सांस्कृतिक चेतना को पुनर्जागृत करने की जो कोशिश हो रही है, यांत्रिकता से वह भी नहीं होती है। लेकिन फिर भी भारत एआई के बाजार में बाकी देशों से पीछे नहीं रहना चाहता है।

भारत में एआई का बाजार 25 से 35 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2027 तक हमारे देश में इस पर तीन गुणा खर्च बढ़कर 41,707 करोड़ रुपये हो जाएगा। यह खर्च बढ़ेगा क्योंकि इसकी प्रौद्योगिकी, यंत्रों और उपकरणों में बड़ा निवेश होगा। बेशक एआई से जुड़ी नई नौकरियां बड़े शहरों तक पहुंच जाएंगी। एआई के नये प्लेटफार्म जयपुर, आगरा, ग्वालियर, हरिद्वार, जबलपुर, जोधपुर, भोपाल और बीकानेर बनेंगे, महानगर तो होंगे ही।

अब चौटजीपीटी मुफ्त भी मिलेगी और शुल्क के साथ भी। 50 भाषाओं में ट्रांसलेशन करेगी। जीपीटी 4–ओ इससे पहले प्रचलित जीपीटी 4–टर्बो से दोगुनी तेजी से काम करेगी। इसकी कीमत भी आधी होगी। जहां तक कृत्रिम मेधा के इस युग में बड़े समृद्ध देशों के मुकाबले में किफायत का संबंध है, भारत के लिए यह नई बात नहीं क्योंकि अंतरिक्ष अभियानों में भी हमारी किफायत जगजाहिर है।दो–तीन वर्षों में भारत को हम दुनिया की तीसरी बड़ी शक्ति बना देना चाहते हैं। इसलिए डिजिटल युग में कृत्रिम मेधा और रोबोटिक्स का इस्तेमाल उसे नयी ताकत देगा। लेकिन भारत जैसे देश के लिए इसके रास्ते में आने वाली कठिनाइयां भी कम नहीं। उनका निराकरण भी जरूरी है। पहली कठिनाई है कि अगर देश में एआई को जीवन जीने का नया ढंग बना दिया जाएगा तो उसके लिए ऊर्जा की बहुत आवश्यकता होगी। सोलर एनर्जी की बहुत बातें होती हैं लेकिन हकीकत में अभी हम कोयले से ही अतिरिक्त विद्युत उत्पादित करने में विश्वास करते हैं। पॉवरकट जिंदगी का हिस्सा बन गया है और सामान्य उत्पादन के लिए ही विद्युत पूरी नहीं पड़ती तो क्या ऐसे में कृत्रिम मेधा के नये मॉडल अपनाकर अपनी विद्युत क्षमता पर और भार डालना जायज है?

दूसरा बिंदु यह कि जो नया चिप, रोबोट, सेमीकंडक्टर युग हम ला रहे हैं, वह महानगरों में कुछ नौकरियां जरूर पैदा करेगा लेकिन उन नौकरियों के लिए विशिष्ट प्रशिक्षण की आवश्यकता होगी। क्या यह ट्रेनिंग देने के लिए हमने प्रशिक्षण संस्थान तैयार कर लिए हैं? इसके अलावा, इंसानी दिमाग और भाव प्रवणता का विकल्प क्या कृत्रिम मेधा हो सकती है? मां का प्यार, प्रेमिका का रोमांस और बहन का स्नेह कृत्रिम मेधा कभी नहीं दे सकती। ऐसे में जरूरत निश्चित स्तर के संतुलन की है। कृत्रिम मेधा का विकास अगर व्यावसायिक प्रगति तक के लिए सीमित कर दिया जाता और भावुकता व संबंधों की संवेदना को मशीनी तेवर न दिया जाता तो शायद इस देश की आबोहवा या माहौल वही बना रहता जिसमें से वह सांस्कृतिक चेतना उपजती है जिसके चलते इस देश की विश्व में एक अलग छवि है। दरअसल विश्व गुरु या मार्गदर्शक हो जाना कृत्रिम मेधा से संभव नहीं, इसके लिए मौलिक रास्ते अपनाने होंगे। इंसान के विशिष्ट गुणों के सहारे ही हम आगे बढ़ सकते हैं, केवल मशीनी आदमियों के सहारे नहीं।–लेखक साहित्यकार हैं।

चुनाव परिणामों पर टिकी निगाहें

—कल्याणी शंकर—

चुनाव के बाद का परिदृश्य विजेताओं और हारने वालों के सरल द्वंद्व से बहुत दूर है। यह एक जटिल और पेचीदा राजनीतिक परिदृश्य है जिसमें अनिश्चितता और संभावित परिणाम अभी सामने आने बाकी हैं। चुनाव के बाद का परिदृश्य केवल अपेक्षित परिणामों के बारे में नहीं है। यह अप्रत्याशित गठबंधनों की संभावना, सत्ता की गतिशीलता में नाटकीय बदलाव और नई राजनीतिक ताकतों के उद्भव के बारे में है। एक संभावित राजनीतिक पुनर्गठन चुनाव के बाद के राजनीतिक परिदृश्य को नया आकार दे सकता है। इससे अप्रत्याशित गठबंधन, नाटकीय सत्ता परिवर्तन और नई राजनीतिक ताकतों का उदय हो सकता है जो भारतीय राजनीति के भविष्य के बारे में प्रत्याशा पैदा कर सकता है।

चुनाव में भाजपा की जीत कमोबेश तय है। दो संभावित परिदृश्यों पर बहस चल रही है, जिनमें से प्रत्येक के अपने निहितार्थ हैं। एक परिदृश्य में भाजपा के लिए भारी जीत की कल्पना की गई है, यहां तक कि 400 का आंकड़ा भी पार कर लिया जाएगा। दूसरा कम सीटों के साथ अधिक मामूली परिणाम का सुझाव देता है। भाजपा को भारी जीत मिल सकती है। संभावित रूप से राजनीतिक ताकतों को पुनरू संगठित करने का मार्ग प्रशस्त होगा। यदि भाजपा 2019 के चुनाव की तुलना में कम सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरती है, तो वह अन्य दलों की मदद से सरकार बनाएगी। यह उम्मीद मुख्य रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा समर्थकों के अटूट विश्वास पर आधारित है। कांग्रेस पार्टी द्वारा लिए गए रणनीतिक निर्णय, जैसे चुनाव लडने वाले निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या कम करना, भारतीय राजनीति की गहराई और जटिलता को उजागर करते हैं। प्रत्येक कदम एक बड़े लक्ष्य की ओर एक सुविचारित कदम है।

अगर भाजपा सत्ता में लौटती है तो भारतीय राजनीति में एक प्रमुख खिलाड़ी, 'इंडिया' गठबंधन सिकुड़ सकता है। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने गठबंधन सहयोगियों की सांझेदारी में शामिल होने से परहेज करने का विकल्प चुना है, जिससे कांग्रेस की स्थिति कमजोर हो रही है। भाजपा की जीत से 'इंडिया' गठबंधन की रणनीति का पुनर्मूल्यांकन हो सकता है, कुछ सांझेदार भाजपा के साथ जुडना चुन रहे हैं और अन्य नई सांझेदारी या स्वतंत्र रास्ते तलाश रहे हैं। यदि भाजपा अधिक सीटें हासिल करती है, तो छोटी पार्टियां गठबंधन में शामिल होने के लिए आगे आ सकती हैं। अपने राजनीतिक हितों को सुरक्षित करने के लिए विजयी पक्ष के साथ जुडने की छोटी पार्टियों की इच्छा से प्रेरित यह महत्वपूर्ण घटनाक्रम, चुनाव के बाद के परिदृश्य को आकार दे सकता है। कुछ लोग मोदी का विरोध करना चाहते हैं, जबकि अन्य गठबंधन को असफल प्रयासों के रूप में देखते हैं।

दूसरे, भले ही भाजपा को कम सीटें मिलें, पार्टी विजेता के साथ जुडने के इच्छुक अन्य दलों का समर्थन सुरक्षित कर सकती है। इससे नवगठित 'इंडिया' गठबंधन भी खत्म हो सकता है। इस गठबंधन में कई अच्छे दोस्त हैं जो केवल अपने स्वार्थ को देखते हुए किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन कर सकते हैं। अधिक सीटें सुरक्षित करने या अन्य दलों का समर्थन हासिल करने की भाजपा की क्षमता राजनीतिक परिदृश्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है, जिससे संभावित रूप से राजनीतिक ताकतों का पुनर्गठन हो सकता है।

हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ये संभावित परिदृश्य हैं और पुष्ट परिणाम नहीं हैं। चुनाव परिणाम सहित विभिन्न कारक इसे प्रभावित कर सकते हैं। एन.डी.ए. सबसे बड़े दल के रूप में उभर सकता है, जिससे सरकार बन सकती है। वैकल्पिक रूप से यह असफल हो सकता है और गठबंधन सरकार बनाने के लिए अन्य दलों से समर्थन मांग सकता है। भारतीय राजनीति में एक प्रमुख खिलाड़ी, एन.डी.ए. बहुमत हासिल करके या सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरकर सरकार बनाएगा। भले ही एन.डी.ए. पिछड़ जाए, लेकिन वह नवीन पटनायक, जगन मोहन रैड्डी, के.चंद्रशेखर राव, मायावती जैसे अन्य प्रभावशाली नेताओं के नेतृत्व वाली पार्टियों से समर्थन हासिल करने की कोशिश करेगा। मोदी ने नवीन पटनायक की तारीफ की, जो इस बात का संकेत है। भाजपा ने शिअद, शिव सेना, जद (यू) आदि जैसे महत्वपूर्ण सहयोगियों के जाने का भी अनुभव किया है। अब, जद (यू) और तेदेपा वापस आ गए हैं। उदाहरण के लिए एन.डी.ए. की पूर्व सहयोगी तमिलनाडु की अन्नाद्रमुक चुनाव के बाद अपने प्रदर्शन के आधार पर एन.डी.ए. में फिर से शामिल हो सकती है।

यहां तक कि सत्तारूढ़ द्रमुक भी चुनाव के बाद के परिदृश्य पर विचार कर रही है। पार्टी एन.डी.ए. और पी. एम. मोदी के साथ मजबूत कामकाजी रिश्ते की जरूरत को पहचानती है। ये संभावित गठबंधन और सत्ता की गतिशीलता में बदलाव चुनाव के बाद के परिदृश्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं। 4 जून के चुनाव परिणाम दिखाएंगे कि राजनीति का ऊंट किस करवट बैठता है। वे यह भी संकेत देंगे कि क्या भाजपा अपनी हैट्रिक के साथ और अधिक अहंकारी हो जाएगी?–

अगर भाजपा सत्ता में लौटती है तो भारतीय राजनीति में एक प्रमुख खिलाड़ी, 'इंडिया' गठबंधन सिकुड़ सकता है। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने गठबंधन सहयोगियों की सांझेदारी में शामिल होने से परहेज करने का विकल्प चुना है, जिससे कांग्रेस की स्थिति कमजोर हो रही है। भाजपा की जीत से 'इंडिया' गठबंधन की रणनीति का पुनर्मूल्यांकन हो सकता है, कुछ सांझेदार भाजपा के साथ जुडना चुन रहे हैं और अन्य नई सांझेदारी या स्वतंत्र रास्ते तलाश रहे हैं। यदि भाजपा अधिक सीटें हासिल करती है, तो छोटी पार्टियां गठबंधन में शामिल होने के लिए आगे आ सकती हैं। अपने राजनीतिक हितों को सुरक्षित करने के लिए विजयी पक्ष के साथ जुडने की छोटी पार्टियों की इच्छा से प्रेरित यह महत्वपूर्ण घटनाक्रम, चुनाव के बाद के परिदृश्य को आकार दे सकता है। कुछ लोग मोदी का विरोध करना चाहते हैं, जबकि अन्य गठबंधन को असफल प्रयासों के रूप में देखते हैं।

ऑनलाइन गेमिंग का शिकार होता बचपन

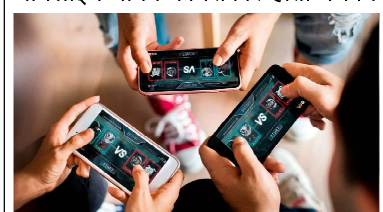

-प्रि. डा. मोहन लाल शर्मा-

वर्तमान परिवेश में बच्चे ऑनलाइन गेमिंग का शिकार होते जा रहे हैं। बच्चे माता–पिता के विपरीत कार्य करना पसंद कर रहे हैं। अगर बच्चों को गेम खेलने से रोका जा रहा है, तो वे हिंसक होते जा रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इन खेलों की लत के कारण बच्चे उग्र हो उठते हैं। अपनी भावनाओं पर उनका नियंत्रण समाप्त हो जाता है। अच्छे–बुरे की पहचान नहीं कर पाते। इन खेलों के नायकों के 'एक्शन' अक्सर हिंसा से भरे होते हैं। नायक हाथों में बंदूक और पिस्तौल लिए होते हैं और किसी को भी उड़ा देते हैं। जब वे लगातार इन्हें खेलते हैं, तो उन्हें आदत पड़ जाती है। आदतें आसानी से छोड़ी नहीं जातीं। ऐसे में जो उन्हें इन खेलों को खेलने से रोकता है, वह या तो उसे खत्म कर देते हैं, खत्म करने की सोचते हैं या खुद ही जान दे देते हैं। इसका एक बड़ा कारण यह भी बताया जाता है कि कई बार घर के बड़े लोग भी ऐसे खेल खेलते हैं। बच्चे जब उन्हें ऐसा करते देखते हैं, तो वे भी इन खेलों को खेलना चाहते हैं। पहले छिप–छिप कर, फिर खुलेआम। माता–पिता की अनदेखी भी इसका बड़ा कारण है। विशेषज्ञों का कहना है कि आजकल के गेम काफी आक्रामकता वाले हैं, जो बच्चा इसे खेलता है वो रियलिटी और वर्चुअल दुनिया के बीच फर्क नहीं कर पाता और खुद को उस वर्चुअल दुनिया का ही हिस्सा मान लेता है। इसके लिए पैरेंटिंग, खान–पान, लाइफस्टाइल तथा दोस्त जिम्मेदार हैं।

एक तरफ तो हम मांग करते हैं कि बच्चों को ऐसी बातों से दूर रखें, जो उन्हें ङ्क्षहसक बनाती हैं, मगर व्यापार और बाजार को देखें कि वह उन्हें ऐसे खिलौने और ऑनलाइन खेल उपलब्ध कराता है जो अधिक से अधिक हिंसा से भरे होते हैं। एक अनुमान के अनुसार ऑनलाइन खेलों का कारोबार इस साल के अंत तक 11900 करोड़ से भी अधिक और विश्वभर में 2025 तक इसका कारोबार 12205 करोड़ से अधिक अमरीकी डॉलर होने की संभावना है। भारत में ऑनलाइन खेलों का कारोबार लगभग 29 लाख अमरीकी डॉलर का है। हिंसक व्यवहार बच्चों के दिमाग की लाइफ को पूरी तरह खत्म कर सकता है। बच्चों के हिंसक व्यवहार के कई कारण हो सकते हैं और भविष्य में इसके गंभीर परिणाम भी हो सकते हैं। ये हिंसक व्यवहार मैडीकल प्रॉब्लम और लाइफ प्रॉब्लम की ओर भी इशारा करते हैं इसलिए माता–पिता को बच्चे के हिंसक व्यवहार का कारण जानना चाहिए और रोकने या सुधारने के लिए उचित कदम उठाने चाहिएं।

विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों के हिंसक व्यवहार को नोटिस करने के बाद अगर उस पर ध्यान न दिया जाए तो उसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। बच्चों की उम्र के आधार पर उनका हिंसक व्यवहार किसी को मारने, चिल्लाने, बात–बात पर गुस्सा होने जैसी आपराधिक हरकत करना भी हो सकता है। बच्चों के सामने आने वाले कुछ कारक उनके हिंसक व्यवहार को और भी अधिक बढ़ा सकते हैं। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि किसी भी उम्र में बच्चों के ङ्क्षहसक व्यवहार को अनदेखा नहीं करना चाहिए। बच्चों में हिंसक व्यवहार के संकेत जैसे गलत भाषा का प्रयोग करना, समझाने पर भी गुस्सा करना, कोई भी बात समझाने पर चीजें फैंकने लगना, मां–बाप को ही मारने दौडना, लोगों के बारे में गलत बोलना, गलत आदतों में पडना, भाई–बहन के लिए स्नेह न रखना, लड़ाकू प्रवृत्ति का होना, हमेशा उदास रहना, संवेदनशील और चिड़चिड़े रहना, बार–बार जोश में आना आपको नजर आ सकते हैं।

एकल परिवारों में माता–पिता इतने व्यस्त होते हैं कि उनके पास बच्चों से बात करने का ज्यादा समय नहीं होता। वे अक्सर इस बात पर भी नजर नहीं रख पाते कि बच्चे क्या कर रहे हैं, क्या खेल रहे हैं, उनके दोस्त कौन–कौन से हैं। दोस्तों के साथ भी बच्चे ऑनलाइन खेल खेलते हैं। दोस्त उन्हें चिढ़ाते भी हैं कि अरे! तुम्हारे माता–पिता कैसे हैं, जो तुम्हें ऑनलाइन खेल भी नहीं खेलने देते। इससे बच्चों में हीनता और अपने घर वालों के प्रति नफरत का भाव पैदा होता है जो अपराध के रूप में बाहर निकलता है। हिंसक तरीके से व्यवहार करने वाले बच्चों में कोई न कोई ऐसा कारण नजर आता है जो उनके इस व्यवहार को अधिक बढ़ाता है।

फिजिकल, ओरल या सैक्सुअल के रूप में गलत व्यवहार, घरेलू वातावरण न मिलने, माता–पिता द्वारा बच्चों की अच्छी तरह से देखभाल न करने, दर्दनाक घटना होने या फिर स्ट्रैस होने, बच्चों को धमकाने, फैमिली प्रॉब्लम, नशीली चीजों के सेवन, शराब और अन्य गलत चीजों के सेवन से बच्चों में आक्रामकता बढ़ सकती है ।

4 जून को मोदी जी की, भाजपा की, एनडीए की विजय निश्चित है -अमितशाह

संवाददाता-कुशीनगर। सोमवार को जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि 4 जून की दोपहर को आप देख लेना। राहुल बाबा के लोग प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे और कहेंगे कि ईवीएम के कारण हम हारे हैं। हार का ठीकरा भी खड़गे साहब पर फूटेगा। छह चरण का मतदान समाप्त हो चुका है। मेरे पास 5 चरण का आंकड़ा है। पांच चरण में मोदी जी 310 सीटें पार कर चुके हैं। छठा चरण हो चुका है। सातवां होने वाला है। इसमें आप लोगों को 400 सीटें पार कराना है। अमित शाह ने कहा "आप सब जानते हैं कि 85 हजार करोड़ का सहारा का घपला किसके समय में हुआ था। अखिलेश बाबू, आपकी पार्टी सहारा के फंड से चलती थी। सहारा की लूट आपने चलने दी। नरेंद्र मोदी ने तो रिफंड देने की शुरुआत की है। कांग्रेस पार्टी कहती है कि पाकिस्तान के पास एटम बम है। पीओके मत मांगिए। अरे राहुल बाबा आपकी पार्टी एटम बम से डरती होगी। हम भाजपा वाले नहीं डरते। आज मैं यहां से कहकर जाता हूं कि पीओके भारत का था, है और हम इसे लेकर रहेंगे।"

उन्होंने आगे कहा "सपा और कांग्रेस 70 साल से राम जन्मभूमि के मामले को अटकाकर बैठे थे। मोदी जी ने 5 साल में ही केस भी जीता और भूमि पूजन भी किया। इसके बाद श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा भी कर दी गई। मोदी जी ने सिर्फ राम मंदिर ही नहीं, बल्कि औरंगजेब द्वारा तोड़ा गया काशी विश्वनाथ का मंदिर भी बनाया और सोमनाथ का मंदिर भी सोने का बन रहा है। वो समाजवादी पार्टी की ही सरकार थी, जिसने कार सेवकों पर गोलियां चलवाई थीं। ये चुनाव कारसेवकों पर गोली चलाने वालों और राम मंदिर बनाने वालों के बीच है। आप चिंता मत कीजिए, न ये जीतने वाले हैं और न हम ऐसा होने देंगे।" अमित शाह ने कुशीनगर में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा "जब तक मोदी जी और भाजपा है। पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को कोई हाथ नहीं लगा सकता। हम इस देश में धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं आने देंगे। इन्होंने आइएनडीआइए कर्नाटक और हैदराबाद में जो किया है, बंगाल में भी वही किया था, लेकिन बंगाल हाईकोर्ट ने इस पर रोक लगा दी। मुस्लिम आरक्षण संविधान के अनुरूप नहीं है। अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए ये मुस्लिम आरक्षण की बात करते हैं। इसका सीधा खामियाजा पिछड़े वर्ग को भुगतना पड़ेगा। घमंडिया गठबंधन में झूठ के आधार पर जीने वाले लोग हैं। इन्होंने कहा है कि हम मुस्लिम आरक्षण देंगे। अगर गलती से भी ये जीत गए तो पिछड़ा अति पिछड़ा और दलित का आरक्षण छीनकर मुसलमानों को देने का काम करेंगे।"

अमित शाह ने कहा "38 चीनी मिलों की क्षमता में बढ़ोतरी करने का काम योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने किया है। गन्ने की बुवाई का क्षेत्रफल भी 9 लाख हेक्टेयर बढ़ा है। 1995 से 2017 तक सपा-बसपा ने गन्ना किसानों को सिर्फ 23 हजार करोड़ रुपये का भुगतान किया था। जबकि साल 2017 से 2024 तक भाजपा सरकार ने दो लाख 50 हजार करोड़ रुपये का भुगतान किसानों को किया है। आज बहन मायावती और अखिलेश यादव से पूछना चाहता हूं कि कुशीनगर चीनी का कटोरा नाम से प्रसिद्ध था। लेकिन आपके समय में 5-6 चीनी मिलें बंद हुईं। हमारी सरकार के समय में 20 चीनी मिलों को फिर से चालू करने का काम किया गया है। 4 जून को मोदी जी की, भाजपा की, एनडीए की विजय निश्चित है।"

तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से आ रही कार को मारी टक्कर, रेलवे अधिकारी की मौत

संवाददाता-बलरामपुर। तेज रफ्तार ट्रक ने एक क्रिस्टा कार को सामने से टक्कर मार दी। इस हादसे में गोरखपुर रेलवे में तैनात एक अफसर की मौत हो गई। जबकि अन्य को खरोंच तक नहीं आई। तेज रफ्तार ट्रक ने एक क्रिस्टा को सामने से टक्कर मार दी। इस हादसे में कार सवार गोरखपुर रेलवे में तैनात सेक्सन अफसर की मौत हो गई। जबकि कार में बैठे अन्य रेलवे के अधिशासी अभियंता और ड्राइवर को खरोच तक नहीं आई। दुर्घटना के बाद केले से भरा ट्रक भी सड़क पर ही पलट गया। ड्राइवर ट्रक छोड़कर भाग निकला। जानकारी के मुताबिक ड्राइवर केला लेकर नेपाल जा रहा था।

फेज-1 ग्रीन सिटी गोरखपुर के रहने वाले 40 साल के संतोष कुमार श्रीवास्तव रेलवे में सेक्शन इंजीनियर थे। वह सोमवार को रेलवे अधिशासी अभियंता राजीव नगर और महेन्द्र नाथ मिश्र के साथ इनोवा क्रिस्टा गाड़ी से बहराइच जिला स्थित चिलवरिया जा रहे थे। वहां पर नई रेल लाइन बिछाने की प्रक्रिया चल रही है, जिसका जायजा लेने दोनों अधिकारी सोमवार को चिलवरिया के लिए निकले थे। गाड़ी किराए पर ले रखी थी, जिसे श्रीकांत यादव चला रहे थे। करीब 11 बजे सिसई बेनीजोत गांव के बीच तेज रफ्तार ट्रक ने इनोवा क्रिस्टा गाड़ी को सामने से टक्कर मार दी। रेलवे के दोनों अधिकारी क्रिस्टा में पिछली सीट पर बैठे थे। सेक्शन इंजीनियर संतोष श्रीवास्तव का सिर फट गया। आगे एयर बैग खुलने से ड्राइवर श्रीकांत यादव को खरोच तक नहीं आई। गाड़ी का अगला हिस्सा टूटकर ध्वस्त हो गया। गंभीर रूप से घायल संतोष श्रीवास्तव को मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

ट्रक भी मौके पर पलट गया। पीलीभीत का रहने वाला ड्राइवर घटना के बाद फरार हो गया। रेलवे अधिकारी की दुर्घटना की सूचना मिलते ही एसडीएम सदर राजेन्द्र बहादुर ने घटना स्थल का जायजा लिया। रेलवे ठेकेदार विश्वनाथ वर्मा की मौजूदगी में शव का पंचनामा कराया गया। प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश कुमार सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। ट्रक में केला भरा था जो मध्य प्रदेश से नेपाल भेजा गया था। चालक श्रीकांत यादव का पता लगाने के लिए पुलिस ने काफी प्रयास किया लेकिन उसे पकड़ा नहीं जा सका। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि ट्रक चालक का नाम व पता चल गया है। तहरीर मिलते ही केस दर्ज किया जाएगा। ट्रक व इनोवा क्रिस्टा गाड़ी को कब्जे में लेकर थाना देहात लाया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

परतावल रोड पर पलटा तेज रफ्तार पिकअप, चार की हालत गंभीर

संवाददाता-महराजगंज। श्यामदेउरवां थाना क्षेत्र में सोमवार की सुबह गोरखपुर परतावल मार्ग पर पिपरा लाला गांव के समीप मजदूरों से भरा तेज रफ्तार पिकअप बेकाबू होकर पलट लिया। दुर्घटना में 12 मजदूर घायल हो गए। चार लोगों की हालत गंभीर बताकर डॉक्टर ने उनको बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया। घटना से काफी देर तक अफरातफरी मची रही। मिली जानकारी के अनुसार गोरखपुर शहर में दिहाड़ी पर काम करने वाले मजदूर सस्ते किराये के चक्कर में पिकअप पर सवार होकर आते जाते हैं। सोमवार की सुबह करीब सात बजे अलग अलग गांवों के 20 मजदूर पिकअप पर सवार होकर गोरखपुर जा रहे थे। पिकअप लेकर चालक श्यामदेउरवां थाना क्षेत्र के पिपरा लाला गांव के समीप पहुंचा। तभी अनियंत्रित होकर वाहन सड़क पर पलट गया। घटना से चीखपुकार मच गई। आसपास के लोग दौड़ पड़े। लोगों ने किसी तरह से मजदूरों को निकालना शुरू कर दिया। किसी ने घटना की सूचना पुलिस को दी। प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल सहित मौके पर पहुंचे। सभी घायलों को सीएचसी परतावल ले जाया गया। वहां गंभीर हाल राजन(32) पुत्र छोटेलाल निवासी पंचदेउरी, ईश्वर (55) पुत्र चन्द्रपत निवासी बसहिया बुजुर्ग, मिथुन(28) पुत्र अमरजीत निवासी पंचदेउरी,अमर चौहान(32) पुत्र विशुन निवासी पकड़ी सिसवा को प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। अन्य चार घायलों राजेश पुत्र रघु, राजेन्द्र और सुनील पुत्र ठगई,जितई यादव पुत्र रामअवतार का उपचार सीएचसी में चल रहा है। अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी मिल गई। उधर दुर्घटना के बाद चालक भाग निकला। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक श्यामदेउरवा धर्मेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि दुर्घटना की सूचना पर सभी घायलों को तत्काल सीएचसी भिजवाया गया। वाहन को कब्जे में लेकर चालक की तलाश की जा रही है।

नलकूपों से नहीं निकल रहा पानी, कैसे हो फसलों की सिंचाई

संवाददाता-बहराइच। राजकीय नलकूपों की खराबी किसानों पर भारी पड़ रही है। नवाबगंज इलाके के अधिकतर राजकीय नलकूप बंद पड़े हैं। नलकूप व बिजली विभाग की उदासीनता का दंश किसानों को झेलना पड़ रहा है। नलकूप विभाग सरकारी ट्यूबेल को विद्युत दोष के कारण बंद होने की बात करता है, जबकि बिजली विभाग नलकूपों को यांत्रिक दोष के कारण बंद होने का दावा करता है। नलकूपों के कुलाबे व नालियां ध्वस्त होने से टेल तक पानी नहीं पहुंच रहा है। किसान निजी इंजन के सहारे फसलों की सिंचाई करते हैं। भवनियापुर गांव में लगा राजकीय नलकूप छह महीने से खराब है। संजय प्रसाद ने बताया कि गन्ना फसल सिंचाई के लिए उन्हें निजी इंजन का सहारा लेना पड़ा। भगवानपुर गांव में नलकूप खराबी से फसलों की सिंचाई नहीं हो पाई। यहां चार माह से नलकूप ठप है। पप्पू यादव ने बताया कि सम्बन्धित विभाग को कई बार सूचना दी, लेकिन खराबी को दूर नहीं किया जा सका।

घर में घुसकर चोरों ने की बड़ी वारदात

संवाददाता-बहराइच। विशुनटांडा गांव में रविवार रात एक घर में घुसकर चोरों ने नकदी व जेवर पर हाथ साफ किया। रविवार आधी रात बाद इस घर के लोगों को चोरी की भनक लगी। थाने में तहरीर देने पर पुलिस ने तहकीकात शुरू कर दी है। सुजौली थाने के विशुन टांडा गांव निवासी निर्मल पुत्र महादेव के घर में रविवार देर रात चोर घर में घुसे। निर्मल ने घर बनवाने को अपनी भूमि बेंचकर तीन लाख रुपये नकद घर के बक्से में जुटाकर रखे थे। रविवार रात लगभग एक बजे चोर घर में घुसकर रुपये वाला बक्सा व सोने के जेवर उठा ले गए। बक्से को घर से 50 मीटर की दूरी पर रखकर उसमें रखे तीन लाख रुपये व जेवर निकाल कर चोर फरार हो गए।

पुलिस अधीक्षक ने सुनी लोगों की शिकायत

संवाददाता-श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने सोमवार को जनता दर्शन में लोगों की शिकायत सुनी। इस दौरान कुल 17 प्रार्थना पत्र मिले। जिसमें चार भूमि विवाद, पांच पारिवारिक विवाद व आठ अन्य विवादों से संबंधित रहे। लोगों की शिकायत सुन एसपी ने संबंधित अधिकारियों को सभी शिकायती पत्रों का समय से निस्तारण कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शिकायत निस्तारण में लापरवाही करने पर कार्रवाई होगी।

कलयुग में मुक्ति पाने के लिए श्रीमद् भागवत कथा ही उत्तम साधन

-भारतीय बस्ती संवाददाता- अयोध्या। प्रसिद्ध पीठ अशर्फी भवन के भव्य माधव भवन में श्री सहज नाथ सेवा समिति दौसा राजस्थान से पधारे भक्तों द्वारा आयोजित श्री मद्भागवत कथा श्रवण कराते हुए स्वामी श्रीधराचार्य महाराज ने कहा राजेंद्र परीक्षित जी जैसे उत्तम श्रोता के लिए स्वयं सुखदेव जी महाराज सभा में उपस्थित होकर राजेंद्र परीक्षित को श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण कराते हैं यह वही कथा है जिसका श्रवण करके राजेंद्र परीक्षित का उद्धार हुआ था कथा का विस्तार करते हुए महाराज श्री ने भक्त ध्रुव की कथा का श्रवण कराया ध्रुव के जैसी अनन्य भगति साधक के अंदर व्याप्त हो जाए हैं तू करुणा सिंधु दया सिंधु भगवान अपने भक्त को दर्शन देने एवं दुष्टों के संघार हेतु धर्म की रक्षा के लिए प्रभु इस संसार में आते हैं 5 वर्ष के अबोध बालक ध्रुव मां सुरुचि से अपमानित होकर वन में गए देव ऋषि नारद से नवधा भक्ति का ज्ञान प्राप्त किया मंत्र दीक्षा ली और तपस्या करने लगे ध्रुव की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान भक्त ध्रुव को दर्शन देने पृथ्वी पर आते हैं भगवान का दर्शन पाने के बाद जिस माता ने पिता की गोद में बैठने पर ध्रुव को फटकार लगाई उठाकर के महल से बाहर किया लौट कर आने पर उसी मां ने भक्त ध्रुव की आरती करके तिलक लगाकर राज्य सिंहासन पर बिठाती है भगवान श्री हरि का सामीप्य पाकर साधक संसार के सभी सुख प्राप्त कर लेता है इस घोर कलयुग में मुक्ति पाने के लिए श्रीमद् भागवत कथा ही उत्तम साधन है राजस्थान से पधारे हुए भक्तजन कथा का श्रवण कर के आनंदित हो रहे कथा का समय शाम 4 से 7 बजे तक है।भागवत रसिक भक्तजन कथा में पधार कर अपने जीवन को धन्य करें।

जहर खाने से युवक की मौत, पुलिस ने पोस्टमार्टम को भेजा शव

संवाददाता-बहराइच। मुर्तिहा कोतवाली के सेमरी मलमला गांव निवासी 22 वर्षीय अमरपाल की रविवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह मानसिक रूप से विक्षिप्त था।

मुर्तिहा कोतवाली के सेमरी मलमला निवासी अमरपाल ने रविवार रात जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे सीएचसी मोतीपुर में भर्ती कराया गया। जहां हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्पताल ले जाने से पहले उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अस्पताली कचरे से मरीजों में बढा संक्रमण का खतरा

संवाददाता-गोण्डा। अस्पताल से निकलने वाले कूड़े का समय से निस्तारण नहीं हो पा रहा है। अस्पताली कचरा एमसीएच विंग के बगल खुले में फेंका जा रहा है, जिससे मरीजों व उनके तीमारदारों में संक्रमण होने का खतरा बढ़ जा रहा है। यह कूड़ा कई दिनों तक इसी स्थिति में पड़ा रहता है, जिससे निकलने वाली दुर्गंध से आसपास के कर्मचारी आवास में रहने वाले लोग ठीक से सांस तक नहीं ले पा रहे हैं। लोगों ने कूड़े का समय से निस्तारण कराए जाने की मांग की है।

विशेषज्ञों के अनुसार अस्पताली कचरे से मरीजों व उनके तीमारदारों में कई प्रकार के संक्रमण हो सकते हैं। संक्रमण के खतरे को देखते हुए ही कूड़ा प्रबंधन को लेकर कई तरह के निर्देश दिए गए और एक निश्चित समय में निस्तारण के भी आदेश हैं लेकिन महिला अस्पताल में उन निर्देशों का नहीं किया जा रहा है। अस्पताल में स्थित दो सौ बेड के एमसीएच विंग के बगल खुले में कचरा फेंका जा रहा है। बताया जाता है कि अस्पताल से निकलने वाले खून से सने कपड़े व दवाइयों के रैपर व आपरेशन के बाद निकलने वाली गंदगी भी इसी कूड़े में पड़ी रहती है। कई बार तो कुत्ते इन कचरों में गंदगी ढूंढते नजर आते हैं।

अस्पताल के ही कर्मचारियों का कहना है कि अस्पताली कचरे से संक्रमण हो जाता है। एमसीएच विंग में ज्यादातर आपरेशन के बाद प्रसूताएं भर्ती रहती हैं और उनके साथ नवजात शिशु भी होते हैं, ऐसे में यह कचरा दो जिंदगियों के लिए घातक साबित हो सकता है। बताया जाता है कि कचरे को उठाने के लिए अस्पताल प्रशासन ने किसी एजेंसी को जिम्मेदारी भी सौंपी गई है लेकिन लापरवाही के कारण कचरा कई दिनों तक ऐसे ही पड़ा रहता है। इस संबंध में सीएमएस डा देवेन्द्र सिंह ने बताया कि कचरा प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अस्पताल के आसपास गंदगी न रहे इसका ख्याल रखा जा रहा है। कचरे का समय से निस्तारण कराया जाएगा।

अवैध खनन पर डीएम की बड़ी कार्रवाई, पांच ट्रक एक लोडर सीज,ओवरलोडिंग में 6 ट्रकों से वूसला दो लाख जुर्माना

संवाददाता-बलरामपुर। जिलाधिकारी ने कहा चुनावी व्यस्तता का लाभ उठाकर अवैध खनन एवं परिवहन करने वालों के खिलाफ अब कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीएम के आदेश पर चलाए गए अभियान में पांच ट्रक और एक लोडर को सीज कर दिया गया है। वहीं ओवरलोडिंग पाए जाने पर 6 ट्रकों से जुर्माना वसूला गया है। अवैध खनन करने वालों को डीएम ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि अभी सुधर जाएं। अन्यथा गैंगस्टर के तहत कार्रवाई की जाएगी। डीएम बलरामपुर के आदेश पर खनन निरीक्षक ने 27 मई 2024 दिन सोमवार को सुबह थाना ललिया में दो ट्रक और एक लोडर को पकड़कर थाना ललिया में पुलिस के सुपुर्द किया गया। तथा एक ट्रैक्टर-ट्रॉली का ऑनलाइन चालान किया गया। इसके साथ ही पकड़े गये चारों ट्रकों से ओवरलोडिंग करने पर 25-25 हजार रुपये सहित एक लाख रुपए जुर्माना वसूल किया गया है। लोकसभा चुनाव के मतदान के दिन 25 मई को जब पूरा प्रशासन चुनाव कार्य में व्यस्त था। तब भी खनन माफियाओं

ने अवैध परिवहन का काम करने का प्रयास किया गया। सूचना मिलते ही डीएम के आदेश पर खनन विभाग हरकत में आया। सुबह 3 ट्रकों को अवैध प्रपत्र एवं परिवहन में पकड़कर थाना हरैया में पुलिस के सुपुर्द किया गया। दो ट्रकों को ओवरलोडिंग करने पर एक लाख 90 हजार रूपए का जुर्माना वसूला गया। जिलाधिकारी ने अवैध खनन या परिवहन करने वाले माफियाओं को सख्त चेतावनी दी है कि सुधर जाएं और बालू अथवा मिट्टी का अवैध खनन, बिना परमिट परिवहन या ओवरलोडिंग की चेष्टा न करें। वरना गैंगस्टर के तहत कार्रवाई करते हुए जेल भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि जिले में विश्व विद्यालय, रिंग रोड, एयरपोर्ट जैसे बड़े विकास कार्य हो रहे हैं। परन्तु अवैध खनन एवं परिवहन के जरिए जिले के विकास को बाधित करने तथा जिले की छवि को खराब करने का प्रयास करने वाले लोगों को कतई बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे लोगों के खिलाफ कठोरतम कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि गोपनीय सूचनाओं के आधार पर ऐसे लोगों को चिन्हित करने का काम शुरू कर दिया गया है। अब ऐसे लोगों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

निजी स्कूलों के मनमानी के आगे मजाक बनी शुल्क नियामक समिति

संवाददाता-बलरामपुर। जिले के नर्सरी से इंटरमीडिएट तक संचालित निजी विद्यालय प्रबंधकों की मनमानी पर नकेल कसने के लिए तीन वर्ष पूर्व गठित जिला शुल्क नियामक समिति सिर्फ मजाक बनकर रह गई है। निजी स्कूलों के प्रबंधक शिक्षण सामग्रियों को मनमानी दर पर बेचने के लिए अभिभावकों पर भारी भरकम बजट का बोझ लादते हुए खुलेआम जेब ढीली कर रहे हैं। अभिभावकों पर स्कूलों में अनियमित तरीके से शुल्क वृद्धि के साथ निर्धारित दुकानों से स्टेशनरी खरीदने का दबाव बनाकर यूनिफॉर्म एवं पाठ्य पुस्तकें खरीदने को मजबूर कर दिया है। शासन से जिला विद्यालय निरीक्षक को जिला शुल्क नियामक समिति का गठन नवीन शैक्षिक सत्र शुभारंभ के पहले ही किया जाना था। लेकिन शिक्षाधिकारी पर निजी स्कूलों के प्रबंधकों पर मेहरबानी से समिति अप्रैल महीने में अस्तित्व में आई जो अप्रैल महीने के अंत में जिला विद्यालय निरीक्षक ने शुल्क निर्धारण के संबंध में निजी स्कूलों के प्रबंधकों को पत्र थमाकर मात्र फर्ज अदायगी कर ली है। स्थानीय अभिभावकों की मानें तो नवीन शैक्षिक सत्र अप्रैल में शुरू होने के बाद मई महीना समाप्त होने को है। ऐसे में प्रबंधकों ने स्टेशनरी एवं यूनिफॉर्म आदि के मद में निजी दुकानों से खूब मलाई काटकर अभिभावकों को भारी भरकम बजट के मुंह में झोंक दिया है। ऐसे में सरेआम बच्चों के अभिभावक पढ़ाई के बोझ के तले दबे जा रहे हैं। बावजूद इसके अधिकारी खामोश बने तमाशा देख रहे हैं। अब जब 18 मई से निजी विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश हो चुका है तो अधिकारी कोरम पूरा करने के लिए जिला शुल्क नियामक समिति गठित कर सब कुछ आल इज वेल होने का दावा कर रहे हैं। मौजूदा शिक्षा सत्र में निजी स्कूलों के प्रबंधकों ने शासन के नियमों को ताक रखकर 12 से 15 प्रतिशत तक फीस में वृद्धि कर अभिभावकों से वसूली कर चुके हैं। चर्चा यह भी है कि विद्यालयों की ओर से पांच प्रतिशत फीस वृद्धि के साथ कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) अधिक होने के कारण वृद्धि की गई है। ऐसे में प्रत्येक महीने प्रवेश के रूप में लिया जाने वाला शुल्क भी 15 से 18 प्रतिशत अधिक हो गया है। जिले के निजी विद्यालयों में शासन के प्रतिबंधों के बावजूद निजी प्रकाशकों की किताबों का चलन बंद नहीं हो रहा है। पुस्तक विक्रेता विद्यालय संचालकों को 60 से 70 प्रतिशत कमीशन देकर निजी प्रकाशकों की पुस्तकें अभिभावकों को जबरन खरीदने को मजबूर कर दिया है। बच्चों के भविष्य को लेकर अभिभावक मजबूरी में स्कूलों के निर्धारित दुकानों से बच्चों का महंगा बस्ता खरीदने को मजबूर हैं। यूपी, आईसीएसई व सीबीएसई बोर्ड सहित बेसिक से मान्यता प्राप्त स्कूलों में नर्सरी के बच्चों के बस्ते करीब 3500 से लेकर 4000 के बीच पड़ रहा है। वहीं कक्षा एक एवं दो की कॉपी, किताब, स्टेशनरी एवं बैग 4000 से लेकर 5500 के बीच एवं कक्षा चार से पांच के बच्चों के लिए 6000 से 6500 रुपए में पड़ रहा है। इसी तरह कक्षा 6 से 8 तक का बस्ता 6000 से 7500 में पड़ रहा है। इसी तरह हाई स्कूल के शिक्षण सामग्री करीब 7000 एवं 11वीं कक्षा सहित इंटरमीडिएट में 5000 तक स्टेशनरी में खर्च आ रहे हैं। इतना ही नहीं बच्चों के फीस पर फोकस डाला जाए तो कमर तोड़ महंगाई में नर्सरी क्लास की फीस 1100 से 1600 रुपए तक वसूली जा रही है। ऐसे में मध्यम वर्गीय अभिभावकों के बच्चों को अंग्रेजी माध्यम से तालीम दिलाना उनके लिए बड़ी समस्या का कारण बना हुआ है। गोविंद राम, डीआईओएस ने कहा कि निजी विद्यालयों में शासन के गाइडलाइन अनुसार बच्चों से फीस लिया जाना है। मनमानी तरीके से छात्रों से शुल्क में वृद्धि की जांच कराई जाएगी। साथ ही अभिभावकों पर निर्धारित दुकानों से बच्चों के यूनिफॉर्म स्टेशनरी आदि खरीदने के दबाव की भी जांच कराई जाएगी। मनमाना फीस वसूली एवं पाठ्य पुस्तकों में बेतहाशा वृद्धि करने पर संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

पुण्यतिथि पर याद आए पं. जवाहर लाल नेहरू

संवाददाता-बहराइच। सेनानी भवन सभागार में सेनानी उत्तराधिकारियों ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की 60 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। देशभक्तों ने देश को फर्श से अर्श तक ले जाने में उनके योगदान पर चर्चा की। संरक्षक एवं पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी ने कहा कि नेहरू देश की आजादी के बाद देश के विकास के शैशव काल को बहुत अच्छी तरह से आगे बढ़ाया।

प्रदेश कार्यवाहक महामंत्री रमेश कुमार मिश्र ने कहा कि उन्होंने आराम हराम है का नारा दिया था। वह महात्मा गांधी के बहुत करीबी थे, उन्होंने गरीबों और जरूरतमंदों के अधिकारों के लिए लड़ते हुए देश की आजादी के लिए स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया, जिसमें किसान आन्दोलन प्रमुख है। आजादी के बाद संविधान लागू होने पर उन्होंने संसदीय सरकार की स्थापना की, और विदेशी मामलों में अपनी गुटनिरपेक्ष नीतियों के लिए विश्व विख्यात हुए। भाखड़ा नांगल बांध और एशिया का सबसे बड़ा भिलाई इस्पात संयंत्र उन्हीं की देन है। समाज सेवी पवन सिंह ने कहा कि 1944 में अहमद नगर की जेल में पं. नेहरू ने भारत एक खोज(डिस्कवरी आफ इंडिया) पुस्तक की रचना की। अन्त में सेनानी उत्तराधिकारियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके बताए मार्ग पर चलकर देश की सेवा करने के संकल्प के साथ कार्यक्रम को समाप्त किया। कार्यक्रम में सूफियान अली, राकेश वर्मा, शिव कुमार वर्मा, दरोगा तिवारी, शिवम वर्मा आदि राष्ट्र भक्त मौजूद रहे।

मनरेगा श्रमिकों से 11 से 3 बजे तक न कराएं काम

संवाददाता-गोण्डा। हीट वेव को देखते हुए ब्लाक मुख्यालय पर बीडीओ ओम प्रकाश यादव की अध्यक्षता में बैठक कर लोगों को जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि मनरेगा श्रमिकों से सुबह ग्यारह बजे से लेकर दोपहर तीन बजे तक काम न कराया जाए। कार्य के दौरान मौके पर पेय पदार्थ और छाया की व्यवस्था की जाए। बैठक में सचिव, तकनीकी सहायक ,ब्लाक कोआर्डिनेटर, ग्राम रोजगार सेवक, पंचायत सहायक, सफाई कर्मचारी मौजूद रहे। सभी को भीषण गर्मी और लू से बचाव का उपाय बताए गए। बीडीओ ओम प्रकाश यादव ने बताया कि गर्मी में जंगली जहरीले जानवर घर में जा सकते हैं। आग से बचाव, तालाबों में पानी भराया जाय, ग्राम पंचायतों में लगे इंडिया मार्का हैंड पम्पों की मरम्मत कराई जाए। जरूरत पड़ने पर ही घर बाहर निकले, तरल पदार्थों का सेवन करें। ग्राम पंचायतों में कोई घटना होने पर तुरंत राहत पहुंचायी जाय। एडीओ पंचायत हरिओम पाल ,संजय जायसवाल ,नीरज श्रीवास्तव ,गौरव श्रीवास्तव पारस नाथ गुप्ता, सीवन्द्र त्रिपाठी, रवि जायसवाल, अमित मिश्रा, दिनेश प्रजापति,अस्मिता यादव, जय कुमार, शैलेंद्र शाह, राम मोहन वर्मा ,कौशल किशोर, उमेश गौतम ,रवि कांत यादव, उपेंद्र पाण्डेय आदि रहे।

बच्चों की प्रतिभाओं को निखारना हमारा लक्ष्य -शमा

संवाददाता-बहराइच। टेपरा हेमरिया गाँव तजवापुर ब्लॉक के टेपरा हेमरिया गांव में शमा फाउंडेशन की ओर से बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए संडे पाठशाला लगाई गई। खुशियों की इस पाठशाला में अनेक सरल प्रतियोगिताओं का आयोजन कर बच्चों को उपहार स्वरूप पाठ्य सामग्री और चॉकलेट वितरित किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्येक बच्चों को उनकी प्रतिभा के अनुसार उपहार दिए गए।

वर्णमाला पुस्तक,पेन,कॉपी, शमा परवीन ने अपनी स्वरचित बाल कहानी पुस्तक खूबसूरत बाल कहानियां, इल्म की शमा, बैग, चॉकलेट, सम्मान पत्र , ट्रॉफी मेडल, फाउंडेशन के झोले में विशेष गिफ्ट पैक उपहार में देकर बच्चों को माईक पर बोलने और कविता, गीत, होमवर्क, मन की बात, परिचय आदि देने में भरपूर साथ दिया। बच्चों ने पाठशाला में बढ़- चढ़ कर हिस्सा लिया। कहानी ,गीत,परिचय,अपने सपने पर बच्चों ने अपने मन की बात लोगों के सामने प्रस्तुत किया।डायरेक्टर शमा ने बताया कि हमारा उद्देश्य बच्चों को पढ़ाई से जोड़ना है, अभिभावक को बच्चों की पढ़ाई के लिए जागरूक करना है भले ही माता- पिता पढ़े लिखे न हों, फिर भी बच्चों को घर में अपने साथ कम से कम एक घंटा बच्चों के साथ पढ़ाई के वक़्त साथ जरूर बैठें, ताकि बच्चों को अकेलापन महसूस न हो। कार्यक्रम के अन्त में अभिभावक संग टीम ने पौधरोपण कार्य किया। कार्यक्रम में अल्ताफ, मुशीर, समीर, रामरूप, लालता प्रसाद, दिनेश, लवकुश, सोनम, दिव्या, शगुफ्ता, अशफाक एवं अन्य सदस्य व अभिभावक भी मौजूद हुए।

सपा मुस्लिम तुष्टिकरण की हदें पार करने वाली पार्टी-कांग्रेस का इतिहास है दागी -सीएम योगी

संवाददाता—गोरखपुर। धर्म के आधार पर आरक्षण के मुद्दे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस समेत इंडी गठबंधन के दलों पर एक बार फिर हमला बोला है। इस मामले में कांग्रेस का इतिहास दागी बताते हुए तथा समाजवादी पार्टी को तुष्टिकरण की हद पार करने वाली पार्टी करार देते हुए उन्होंने कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण भारतीय संविधान की मूल भावना के विपरीत और पूरी तरह असंवैधानिक कृत्य है। इसे कतई स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि धर्म के आधार पर मुस्लिम आरक्षण को अगर थोपने का प्रयास हुआ तो यह देश की अखंडता के लिए चुनौती होगी। सोमवार को लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए घोसी संसदीय क्षेत्र रवाना होने से पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर परिसर में मीडियाकर्मियों से बातचीत की। इस अवसर पर उन्होंने मुस्लिमों को आरक्षण देने को लेकर विपक्षी दलों में मची होड़ को खतरनाक बताते हुए कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण असंवैधानिक है। भारत के संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी ने संविधान सभा में इसका पुरजोर विरोध किया था।

इसके बावजूद कांग्रेस और इंडी गठबंधन के उसके सहयोगी दलों में मुस्लिम आरक्षण देने की होड़ लगी हुई है। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास तो इस मामले में बहुत ही दागी रहा है। केंद्र में यूपीए सरकार के समय कांग्रेस ने 2006 में जस्टिस रंगनाथ मिश्र कमेटी गठित कर आरक्षण में ओबीसी का हिस्सा काट करके मुसलमानों को देने का कुत्सित प्रयास किया था। इसी तरह कांग्रेस ने जस्टिस राजेंद्र सच्चर की अध्यक्षता में कमेटी बनाकर कुछ मुस्लिम जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल कर अनुसूचित जाति के आरक्षण में सेंध लगाने का घिनौना प्रयास किया था। दोनों ही मामलों में भाजपा और एनडीए ने विरोध किया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस की जब आंध्र प्रदेश में सरकार थी तो उसने ओबीसी के आरक्षण में से मुसलमानों को आरक्षण दे दिया था। जबकि कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार ने मुसलमानों की सभी जातियों को ओबीसी में शामिल कर ओबीसी के आरक्षण में सेंध लगाई है।

सीएम योगी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के अंदर टीएमसी सरकार ने 2010 में 118 मुस्लिम जातियों को ओबीसी में शामिल करके पिछले 14 वर्ष से लगातार ओबीसी के अधिकार में पूरी तरह डकैती डाली है। सीएम योगी ने कहा कि ओबीसी के आरक्षण का लाभ मुस्लिमों को दिए जाने पर कोलकाता उच्च न्यायालय ने जो निर्णय दिया है, वह टीएमसी सरकार के असंवैधानिक कृत्य पर जोरदार तमाचा है। धार्मिक आधार पर आरक्षण असंवैधानिक है, यह बहुत स्पष्ट कहते हुए कोलकाता उच्च न्यायालय ने सभी मुस्लिम जातियों को ओबीसी आरक्षण से बाहर किया है। सीएम योगी ने कहा कि इंडी गठबंधन के दल मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए किसी भी हद पर जा सकते हैं। बिहार के अंदर आरजेडी के नेता लालू प्रसाद यादव जी पहले ही बोल चुके हैं की सभी मुसलमानों को आरक्षण मिलना चाहिए। अब यह आरक्षण कहां से मिलेगा, जाहिर सी बात है कि ये लोग ओबीसी, एससी—एसटी के आरक्षण में से बांटकर मुसलमानों को देना चाहते हैं। सीएम योगी ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी ने तो खुद को जन्मजात हिंदू विरोधी, अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ी जातियों की विरोधी होने का पर्याय बना दिया है। रामजन्मभूमि का विरोध हो या रामभक्तों पर गोली चलाने का मामला, सपा के हिंदू विरोध और मुस्लिम तुष्टिकरण का ही चित्रण रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यही नहीं, 2012 और 2014 के अपने चुनाव घोषणा पत्र में समाजवादी पार्टी ने मुसलमानों को आरक्षण देने की वकालत की थी। सपा ने शरारतपूर्ण तरीके से तुष्टिकरण की हद पर करते हुए उत्तर प्रदेश की तत्कालीन 20 करोड़ की आबादी की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करते हुए पीएसी की 54 कंपनियों को समाप्त किया था। उस समय सपा सरकार ने पीएसी की जो भर्ती निकाली थी, उसमें 15 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण देने का प्रयास किया था। तब माननीय न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा था। सीएम योगी ने कहा कि देश धर्म के आधार पर ही विभाजित हुआ था। इसलिए बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर ने धर्म के आधार पर आरक्षण का विरोध किया था। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि देश के अंदर धर्म के आधार पर किसी भी प्रकार का आरक्षण नहीं होना चाहिए। सीएम ने कहा कि अनुसूचित जाति, जनजाति को आरक्षण भारत के संविधान के द्वारा दिया गया है। मंडल आयोग की सिफारिश के आधार पर ओबीसी को आरक्षण का लाभ दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एससी—एसटी व ओबीसी के आरक्षण को सुरक्षित रखने के लिए किसी भी प्रकार के मुस्लिम आरक्षण का विरोध करती है। मुस्लिम आरक्षण असंवैधानिक है। अगर इस प्रकार की कुत्सा को थोपने का प्रयास होगा तो यह देश की अखंडता के लिए चुनौती होगी। धर्म के आधार पर आरक्षण बाबा साहब अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान का अपमान है।

बेटी के सामने ही पिता की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या

संवाददाता—गोरखपुर। एक मजदूर की की बेरहमी से पीट—पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक झंगहा इलाके के कोल्हुआ गांव में शिव मार्का ईंट—भट्ठे पर काम करता था। रविवार की रात ईंट—भट्ठे पर काम करने वाले मजदूरों में किसी बात को लेकर आपस में विवाद हो गया। जिसके बाद मजदूरों ने राम अधार (45) पिटाई कर दी। जिससे उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मृतक राम अधार की पत्नी सावित्री की तहरीर पर देवरिया जिले के बरहज इलाके के पलिया निवासी मजदूर कंचन और शिवा के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस एक आरोपी को हिरासत लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दरअसल, देवरिया जिले के मदनपुर कोरया गांव निवासी राम आधार यहां झंगहा इलाके के कोल्हुआ गांव में मोतीलाल यादव के शिव मार्का ईट—भट्ठे पर काम करता था। उसके साथ उसकी पत्नी सावित्री देवी और बेटी सिंपी भी वहीं रहकर मजदूरी करती हैं। रविवार की रात किसी बात को लेकर राम आधार का वहां काम करने वाले कुछ मजदूरों से विवाद हो गया।

कहासुनी से शुरू हुआ विवाद कुछ ही देर में मारपीट में तब्दील हो गई। आरोप हैं कि कई मजदूर मिलकर राम आधार की पिटाई करने लगे। पिता की पिटाई होता देख बेटी सिंपी ने देख भी लिया। वह दौड़ी हुई अपनी मां सावित्री के पास गई और घटना की जानकारी दी। जब तक मां—बेटी वहां पहुंची, राम अधार की मौत हो चुकी थी। परिजनों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की पड़ताल में जुट गई। सीओ चौरीचौरा नितिन तनेजा ने बताया, किसी विवाद को लेकर मजदूरों में मारपीट हुई। जिसमें पिटाई से एक मजदूर की मौत हो गई है। दोनों आरोपी हिरासत में लिए गए हैं। ईंट—भट्ठा मालिक से भी पूछताछ की जा रही है। केस दर्ज कर आरोपियों को जेल भेजा जाएगा।

संयुक्त परिवार सब सुखों का आधार

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। शिक्षा का प्रथम सोपान आस्तिक होना अर्थात ईश्वर पर विश्वास करना है। विद्यार्थियों को ईश्वर की सर्वव्यापकता और संगठन की शक्ति का अनुभव कराना ही शिक्षक का प्रमुख गुण होना चाहिए। यह बातें डा. कमलेश पाण्डेय संस्कृत प्रवक्ता महिला महाविद्यालय बस्ती ने आर्य वीर दल बस्ती द्वारा जयपुरवा बस्ती में आयोजित चरित्र निर्माण शिविर में बौद्धिक कक्षा में बोलते हुए कही।

उन्होंने बताया कि संयुक्त परिवार सब सुखों का आधार हैं। संयुक्त परिवार से सुयोग्य नागरिकों का निर्माण होता है। इससे पूर्व शारीरिक अभ्यास कराते हुए प्रशिक्षक राहुल और राम तनय आर्य ने सर्वांग सुन्दर के भुजबल विकासक, वक्ष विकासक, स्कन्ध शक्ति विकासक, मिश्र हस्त, कटिनमन, कटिविकर्षण, गरुड़ोड्डीन, शिरोहस्तनति एवं कूर्दनताल आदि व्यायामों का अभ्यास कराया और शेर बकरी खेल के द्वारा बच्चों का मनोरंजन किया और बताया कि पढ़ाई के समान व्यायाम भी प्रतिदिन करना शिक्षा का अंग माना जाता है। सहायिका महिमा और निधि आर्या ने बताया कि इससे हमारा शरीर तो स्वस्थ होता ही है साथ ही हमारे मस्तिष्क पर पाठ्यक्रम का तनाव भी कम हो जाता है जिससे अध्ययन के प्रति रुचि जागृत होती है। इसके अलावा मुष्टि प्रहारों के प्रहार करने के गुर सिखाए। प्रधानाचार्य विजयलक्ष्मी सिंह ने माना कि बच्चों के लिए यह प्रशिक्षण उन्हें चरित्रवान बनने में मदद करेगा। यज्ञ कराते हुए योग प्रशिक्षक गरुण ध्वज पाण्डेय ने पांच प्राणों, पंच कोषों के बारे में बताते हुए ब्रह्मचर्य के बारे में बताते हुए कहा कि सब सुधारों का सुधार ब्रह्मचर्य है। जो पूर्ण ब्रह्मचारी है उसके लिए संसार की कोई भी वस्तु दुर्लभ नहीं है। अपने शरीर की शक्ति को शरीर में सुरक्षित रखकर विद्याध्ययन और ईश्वर की भक्ति करना ब्रह्मचर्य कहलाता है। ब्रह्मचारी से रोग तो क्या मृत्यु भी दूर भागती है। उन्होंने बताया कि ब्रह्मचर्य रूपी इस रत्न को सुरक्षित रखने के लिए प्रातः जागरण, नियमित व्यायाम, प्राणायाम, संध्या, सत्संग और स्वाध्याय का श्रद्धा से पालन करना चाहिए। इसमें बाधक अश्लील चलचित्र गीत, स्त्रियों का चिन्तन, हास—परिहास और एकान्त सेवन सहित रजोगुणी एवं तमोगुणी पदार्थों का परित्याग करना चाहिए। ओम प्रकाश आर्य संरक्षक आर्य वीर दल बस्ती ने बताया कि शिविर का समापन दिनांक 29 मई को होगा जिसमें बच्चों द्वारा अपने अर्जित ज्ञान, क्रिया कौशल का प्रदर्शन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य रुप से संतोष कुमार सिंह, अनूप कुमार त्रिपाठी, जया पाण्डेय, घनश्याम आर्य, देवव्रत आर्य, देवव्रत आर्य, डा. शशिकला श्रीवास्तव, राकेश, राजेश, ऋचा, विजय, सुधीर, सुधांशु मिश्र, शैलेन्द्र कुमार, सहित अनेक अतिथियों ने बच्चों का उत्साहवर्द्धन किया।

नशेड़ी बेटे ने मां—बाप को मार डाला

संवाददाता—गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के फतेपुर गांव में एक नशेड़ी पुत्र ने रविवार की रात को सोते समय अपने माता पिता का सिर फोड़कर हत्या कर दी और फरार हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसपी दक्षिणी जितेंद्र कुमार ने घटनास्थल के निरीक्षण करने के साथ परिवार के अन्य लोगों का बयान दर्ज किया।

गांव के अनुसूचित बस्ती के 75 वर्षीय राजपति अपनी पत्नी 73 वर्षीय पत्नी मुराती देवी के साथ घर के बरामदे में सोये थे। घर की महिलाएं व बच्चे गर्मी के कारण छत पर सोए थे। उनके तीन पुत्रों में से बड़े दोनों पुत्र रामआशीष व शंकर मुंबई रहते हैं। एक सप्ताह पूर्व शंकर घर आए थे और रविवार को घर के बगल से दूसरे गांव गई बारात में गए थे। रात करीब एक बजे उनका छोटा पुत्र देवानंद कहीं से आया और घर के चापाकल में लगा हैंडिल निकाल लिया।

उसी हैंडिल से सबसे पहले अपने माता के सिर पर हमला कर दिया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उसके बाद पिता के सिर पर भा हमला कर दिया। वे गंभीर रूप से घायल हो गए और तड़पने लगे। उसके बाद वह फरार हो गया। शोर सुनकर घर की महिलाएं नीचे आई और घायल पिता को बड़हलगंज स्थित एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया। जहां डाक्टरों ने उन्हें भी मृत घोषित कर दिया। मौके पर उपस्थित लोगों का कहना है कि देवानंद नशेड़ी व्यक्ति है। वह शराब के साथ गांजा, भांग आदि का भी सेवन करता है। उसके नशा करने के कारण ही उसकी पत्नी अपने दो पुत्रों और एक पुत्री के साथ मायके में रहती है। माता—पिता नशा करने से रोकते थे। जिसके कारण अक्सर विवाद होता रहता था। उसे लगता था कि उसकी पत्नी और बच्चों को माता पिता ने भड़काया है। इस संबंध थानाध्यक्ष मधुपनाथ मिश्र ने कहा कि शवो को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आरोपित फरार है। एसपी साउथ जितेंद्र कुमार ने कहा कि आरोपित की तलाश की जा रही है, जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

पिटाई से आक्रोशित डाक्टरों ने ओपीडी बंद कर किया हंगामा

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले के धनघटा थाना क्षेत्र हैंसर सीएचसी पर तैनात डॉक्टर की बीते शुक्रवार को डॉक्टर की पिटाई के मामले में अब तक कार्रवाई न होने से सोमवार को चिकित्सकों का आक्रोश भड़क गया। आक्रोशित डॉक्टरों ने सोमवार को ओपीडी बंद कर दिया। लगभग तीन घंटे तक काम नहीं हुआ। इससे अस्पताल पर मरीजों का तांता लग गया और उपचार करवाने के लिए मरीज इधर—उधर भटकने लगे। पुलिस ने गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। इसके बाद ओपीडी चालू हुई। सीएचसी हैंसर पर तैनात डॉक्टर डॉ. राजेश त्रिपाठी शुक्रवार को सुबह 7:30 बजे इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान सोनाड़ी निवासी शीत बसंत, अनूप, मनीष सहित 6 लोग व दो महिलाएं अस्पताल पर एक मरीज लेकर पहुंचे। मरीज के साथ गया एक व्यक्ति डॉक्टर पर अपने मनमानी दवा देने का दबाव बनाने लगा। जिस पर डॉक्टर ने अपने हिसाब से दवा देने की जब बात कही तो लोगों ने उनकी पिटाई कर दी। पुलिस गंभीर धाराओं में 6 लोग दो महिलाओं सहित आठ लोगों के विरुद्ध मुकदमा तो दर्ज कर लिया लेकिन आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। जिससे आक्रोशित डॉक्टरों ने सोमवार को अस्पताल की ओपीडी बंद कर दिया। डॉक्टर राजेश त्रिपाठी, डॉक्टर सीमा गुप्ता, डॉक्टर जितेंद्र चौधरी आदि लोगों का कहना है कि जब डॉक्टर खुद सुरक्षित नहीं हैं तो उपचार क्यों करेगा। लगभग 3 घंटे तक कार्य बहिष्कार चलता रहा। मौके पर पहुंची पुलिस ने डॉक्टरों को आश्वासन दिया कि आरोपियों की जल्द की गिरफ्तारी कर उन्हें जेल भेजा जाएगा। इसके बाद ओपीडी शुरू हो सकी। डाक्टरों के काम ठप कर देने से इलाज कराने आए मरीज परेशान रहे। लगातार मरीजों की भीड़ बढ़ती रही। अस्पताल पर आई दुघरा कला निवासी निधि ने बताया कि वह दो घंटे से अस्पताल पर डॉक्टर का इंतजार कर रही है। इसी तरह से मीरा, दीपक, कुसुम आने लोगों ने बताया कि वह लगभग दो घंटे से डॉक्टर के ओपीडी में बैठने का इंतजार कर रहे है, लेकिन डॉक्टर कार्य का बहिष्कार कर इमरजेंसी कक्ष में बैठे हैं। इस दौरान मरीज से अस्पताल खचाखच भर गया। लोग उपचार करवाने के लिए तपती गर्मी में परेशान नजर आए।

अचानक गश खाकर गिरा विद्युत संविदा कर्मी, मचा हड़कम्प

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के विद्युत उपकेंद्र हरिहरपुर में तैनात विद्युत संविदा कर्मी महुली कस्बा में सोमवार को राजस्व वसूली करते समय अचानक मूर्छित होकर जमीन पर गिर गया। साथी कर्मी आनन फानन में एक निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया है।

महुली फीडर पर तैनात विद्युत कर्मी श्याम पाल उर्फ चण्डाल सोमवार सुबह छह बजे उच्चाधिकारियों के निर्देश पर क्षेत्र में निकला। पहले तो उसने बीरियहवा में बिजली मरमत कार्य समाप्त किया। इसके बाद खाली पेट ही राजस्व वसूली के लिए बिल बकाया वसूलने के लिए उपभोक्ताओं के डोर टू डोर पहुंचा था। इसी दौरान बिल जमा करते समय श्याम पाल उर्फ चण्डाल अचानक गश खाकर गिर गया। आनन फानन में साथी कर्मचारी मूर्छित अवस्था में महुली स्थित एक निजी अस्पताल लेकर गए। उपचार चल रहा है।

पिता—पुत्र के खिलाफ दलित उत्पीड़न का मुकदमा

संवाददाता—संतकबीरनगर। महुली थाना क्षेत्र के नाथनगर के युवक की तहरीर पर पुलिस जसोवर निवासी पिता—पुत्र खिलाफ दलित उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज किया है। क्षेत्र के नाथनगर निवासी अनिल पुत्र दुखरन ने बताया है। बीस मई को खेत की मेड़ काटने की बात को लेकर सन्दीप पाल और उसके पिता वादी के साथ गाली—गलौज किया। इंस्पेक्टर सतीश मिश्र ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्रतिवादी संदीप पाल उर्फ अनूप पाल पुत्र लाल जी पाल तथा लाल जी पाल पुत्र अज्ञात के खिलाफ दलित उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज किया गया है।

अदालती नोटिस

विपक्षी व्यक्ति के नाम नोटिस
(धारा—63 अनुसूची—5 प्रपत्र सं0—1)
न्यायालय— श्रीमान अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती जिला—बस्ती
भरण पोषण वाद सं0 470/11/2023
थाना—कोतवाली
जिला—बस्ती
प्रीति चौधरी
बनाम
गोविन्द वर्मा

तारीख पेशी 19—06—2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 125 दण्ड प्रक्रिया संहिता

विपक्षी—गोविन्द वर्मा उम्र 30 वर्ष पुत्र स्व0 विजय बहादुर वर्मा साकिन करमिया थाना परसरामपुर जिला—बस्ती

विपक्षी के नाम

चूंकि आपकी उपस्थिति 125 सी. आर.पी.सी. के अपराध का उत्तर देने के लिए आवश्यक है अतएव आपको एतत द्वारा आदेश दिया जाता है कि स्वयं/अधिवक्ता द्वारा उपयुक्त न्यायालय के समक्ष सन् 2024 ई0 के 06 मास के 19 दिवस को उपस्थित हो। ऐसा करने में त्रुटि न हो।

सन् 20 ई0 मास के दिवस को हस्ताक्षरित हो।

हस्ताक्षर
अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय बस्ती

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 724/2018
अदालत—श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
सावरून
बनाम
सविता आदि

2/1 सैफुला खिवा हवीव उर्फ हबीब
2/2 मुमताज पुत्र हवीव उर्फ हबीब
2/3 अमजद पुत्र हवीव उर्फ हबीब
2/4 रहमतुल्लाह पुत्र हवीव उर्फ हबीब सभी निवासी ग्राम बस्ती खास (संतोषनगर) तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला—बस्ती 2/5 आजुल पुत्री हवीव उर्फ हबीब पत्नी समसुद्दीन साकिन मैनहिया तप्पा हरदी परगना बस्ती पश्चिम तहसील व जिला—बस्ती

तारीख पेशी 15—07—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 15 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हो और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 403/2023
श्रीमती अंशिका भट्ट—सायलान

1. श्रीमती अंशिका भट्ट पत्नी स्व0 श्री आनन्द दिवाकर भट्ट 2. हार्दिक भट्ट उम्र लगभग 9 वर्ष नावालिग पुत्र स्व0 श्री आनन्द दिवाकर भट्ट द्वारा वादमित्र श्रीमती अंशिका भट्ट माता 3. श्रीमती लीलावती भट्ट पत्नी स्व0 नन्द किशोर भट्ट निवासीगण मोहल्ला सत्यवानपुरी एल0आई0जी0 151 आवास विकास कालोनी कटरा गांधीनगर जिला—बस्ती

तारीख पेशी 26—07—2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम—1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 26—07—2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत— श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला—बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 71/2023
रामयज्ञ—सायलान

1. रामयज्ञ उम्र 60 साल 2. रामधनी उम्र 34 साल 3. रामलाल उम्र 55 साल पुत्रगण झिनकान साकिनान कुसमौर पोस्ट गांधीनगर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला—बस्ती 4. रेनू देवी उम्र 58 साल पुत्री झिनकान ग्राम चेनपुर गनेशपुर पोस्ट गौरा जिला—बस्ती

तारीख पेशी 22—07—2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा—372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम—1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती बतारीख पेशी 22—07—2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
M.A.C.P.N0 249/2022
अदालत—श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला—बस्ती
वविता मिश्रा
बनाम
मो0 जफ्फार आदि

1. मोहम्मद जफ्फार पुत्र स्व0 श्री सरवरे आलम निवासी वार्ड नं0— 4 हनुमानगढ़ी नगर, नगर पंचायत हर्रैया पो0 हर्रैया थाना हर्रैया जिला—बस्ती (वाहन स्वामी मोटर साईकिल सं0— U.P.51 S—0499)
2. शिवशंकर पुत्र भानु चौहान निवासी ग्राम काशीपुर पो0 हर्रैया तहसील हर्रैया थाना हर्रैया जिला—बस्ती (वाहन चालक)
3. प्रमोद मिश्र पुत्र रमेश प्रसाद मिश्र निवासी ब्राम्हन उर्फ वारीगांव पूरब टोला थाना घुघली जिला महराजगंज (वाहन स्वामी सं0— U.P.56 C—6188)

—प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 28—05—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हो और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 322/2023
अदालत—श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
मो0 शमीम आदि
बनाम
सफीकुननिशा आदि

1. सफीकुननिशा उम्र लगभग 78 साल पत्नी स्व0 श्री मो0 अकबाल निवासी मौजा डेल्हापार तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला—बस्ती 2. नूरजहॉ उम्र लगभग 59 साल पत्नी श्री अब्दुल सफात ग्राम देवकुन्डा तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला—बस्ती

—प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

3. शहनाज उम्र लगभग 50 साल पत्नी अब्दुल रहीम ग्राम रेवली तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला—बस्ती

—प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 04—07—2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 04 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हो और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुदित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक—प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चर्तुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com